मंगलवार

34 साल से देहरादून का विश्वास

10 मार्च 2026

- देहरादून
- वर्ष 34
- अंक 45
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com

Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

दून में रेस्टोरेंट बंद होने की कगार पर

कमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई बंद!

हमारे संवाददाता

देहरादून। राजधानी देहरादून में कमर्शियल रसोई गैस की सप्लाई बंद हो गयी है। जिससे यहां होटल-रेस्टोरेंट बंद होने की कगार पर आ गये है। हालांकि अभी अधिकारियों द्वारा इसे दो दिन का बैकलॉग कहा जा रहा है। लेकिन यह बैकलाग कब तक जारी रहेगा यह कहना मुश्किल है।

बताया जा रहा है कि गैस एजेंसियों को निर्देश दिए गए हैं कि कमर्शियल सिलिंडरों की सप्लाई केवल आवश्यक सेवाओं के लिए ही की जाए। इसके तहत शहर के अस्पतालों और शिक्षण संस्थानों को प्राथमिकता के आधार पर कमर्शियल गैस सिलिंडर उपलब्ध कराए जा रहे हैं, ताकि जरूरी सेवाओं पर किसी तरह का असर न पड़े।

वहीं दूसरी ओर, होटल, ढाबों, रेस्टोरेंटों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को फिलहाल कमर्शियल गैस सिलिंडर नहीं मिल पा रहे हैं। इससे कारोबारियों की चिंता बढ़ गई है और आने वाले दिनों में उनके कामकाज पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। गैस एजेंसी से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि सप्लाई व्यवस्था को सामान्य बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। बैकलॉग खत्म होने के बाद जल्द ही नियमित आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

जिला पूर्ति अधिकारी के के अग्रवाल ने लोगों से धैर्य बनाए रखने और अनावश्यक रूप से गैस बुकिंग न करने की अपील की है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अगले दो दिनों के भीतर बैकलॉग खत्म करने की कोशिश की जाएगी, जिसके बाद स्थिति सामान्य हो सकती है। वहीं दूसरी ओर शहर के होटल-रेस्टोरेंट कारोबारियों का कहना है कि हमें गैसकर्मियों द्वारा खुले रूप से कहा है कि आज से होटल-रेस्टोरेंटो मे गैस आपूर्ति बदं कर दी गयी है। वहीं मामले में होटल एसोसियेशन के पदाधिकारियों का कहना है कि अगर हालात ऐसे ही रहे तो कई रेस्टोरेंट को 10 मार्च से कुछ समय के लिए अपना काम बंद करना पड़ सकता है। जिसका असर आम जनता, स्टूडेंट पर पड़ना तय है।

वही दूसरी ओर कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में गैस सप्लाई बाधित होने की वजह से सभी होटल और रेस्टोरेंट बंद होने की कगार पर हैं। बैंगलोर होटल्स एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि अगर मौजूदा हालात ऐसे ही रहे तो कई छोटे और मीडियम लेवल के रेस्टोरेंट को 10 मार्च से कुछ समय के लिए अपना काम बंद करना पड़ सकता है। इसके बंद होने से आम जनता, स्टूडेंट्स और मेडिकल प्रोफेशनल्स पर भारी असर पड़ेगा। घरेलू रसोई गैस सिलिंडर के बुकिंग नियमों में बड़ा बदलाव किया गया है। रसोई गैस सिलेंडर की लॉकिंग पीरियल अब 15 दिन की जगह 25 दिन कर दिया है। यानी अब आप एक रसोई गैस सिलेंडर बुक करने के बाद दूसरा गैस सिलिंडर सिलिंडर 25 दिन के बाद भी बुक कर पाएंगे।

कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए देवभूमि परिवार विधेयक पेश

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और लाभार्थियों तक पारदर्शी तरीके से सहायता पहुँचाने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार ने मंगलवार को "देवभूमि परिवार विधेयक- 2026" को सदन पटल पर रख दिया है। इस विधेयक के कानून बन जाने पर प्रदेश में एकीकृत और सत्यापित परिवार-आधारित डेटाबेस "देवभूमि परिवार" की स्थापना हो सकेगी। विधेयक का उद्देश्य विभिन्न विभागों में बिखरे लाभार्थी डेटा को एक मंच पर लाकर योजनाओं के संचालन को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और समन्वित बनाना है। देवभूमि परिवार आईडी में मुखिया के तौर पर परिवार की 18 वर्ष से अधिक आयु की वरिष्ठतम महिला सदस्य का नाम दर्ज होगा।

वर्तमान में राज्य के अलग-अलग विभाग अपनी-अपनी योजनाओं के लिए अलग लाभार्थी डेटाबेस का उपयोग करते हैं। इसके कारण कई बार लाभार्थी आंकड़ों का दोहराव, पुनः सत्यापन की जटिल प्रक्रियाएँ और विभागों के बीच समन्वय की कमी जैसी समस्याएँ सामने आती हैं। इससे न केवल प्रशासनिक संसाधनों पर अतिरिक्त भार पड़ता है, बल्कि योजनाओं के आकलन और प्रभावी क्रियान्वयन में भी बाधाएँ उत्पन्न होती हैं।

❑देवभूमि परिवार आईडी में मुखिया के तौर पर परिवार की वरिष्ठतम महिला सदस्य का नाम होगा

अब इस विधेयक के माध्यम से राज्य में एक एकीकृत परिवार-स्तरीय डेटा भंडार स्थापित किया जाएगा, जो विभिन्न विभागों और एजेंसियों के लिए लाभार्थी संबंधी सूचनाओं का एक विश्वसनीय स्रोत के रूप में कार्य करेगा। इससे योजनाओं का बेहतर लक्ष्योन्मुखी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सकेगा और जरूरतमंद परिवारों तक सरकारी सहायता अधिक प्रभावी ढंग से पहुँच सकेगी।

इसके साथ ही, इस डेटा प्रणाली के प्रभावी प्रबंधन, संरक्षण और संरचनात्मक सुधारों के लिए एक उपयुक्त संस्थागत तंत्र का भी गठन किया जाएगा। प्रस्तावित व्यवस्था के अंतर्गत विभागों के बीच सुरक्षित और विनियमित डेटा आदान-प्रदान की व्यवस्था भी विकसित की जाएगी, जिससे योजनाओं के बेहतर लक्षित वितरण और समन्वय को मजबूती मिलेगी।

यह पूरी व्यवस्था डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम 2023 के प्रावधानों के अनुरूप संचालित की जाएगी, ताकि नागरिकों के डेटा का उपयोग सहमति, पारदर्शिता और सुरक्षा के साथ सुनिश्चित किया जा सके।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि देवभूमि परिवार विधेयक- 2026" सुशासन की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। इससे प्रशासनिक दक्षता बढ़ेगी, संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा और उत्तराखंड के नागरिकों तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक प्रभावी ढंग से पहुँच सकेगा।

ये विधेयक भी प्रस्तुत किए गए:-

उत्तराखंड माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक - 2026

उत्तराखंड दुकान और स्थापन (रोजगार विनियमन और सेवा शर्त) (संशोधन) विधेयक - 2026

उत्तराखंड (उत्तर प्रदेश लोक सेवा (शारीरिक रूप से विकलांग, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रित और पूर्व सैनिकों के लिए आरक्षण) अधिनियम, 1993) (संशोधन) विधेयक 2026

उत्तराखंड जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) अधिनियम, 2026

उत्तराखंड जन विश्वास (उपबंधों का संशोधन) विधेयक, 2026

उत्तराखंड सार्वजनिक द्यूत रोकथाम, विधेयक, 2026

उत्तराखंड भाषा संस्थान (संशोधन) विधेयक, 2026

उत्तराखंड अल्पसंख्यक आयोग (संशोधन) विधेयक, 2026

उत्तराखंड कारागार और सुधारात्मक सेवाएं (संशोधन) विधेयक, 2026

दून वैली मेल

संपादकीय

धामी का ऐतिहासिक बजट

सूबे की ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण में कल शुरू हुए ऐतिहासिक बजट सत्र के पहले दिन मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस वर्ष का बजट पेश कर दिया है। भले ही विपक्ष सरकार की इस कार्य प्रणाली से नाराजगी दिखाते हुए कि सरकार ने राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा बिना कराये ही इस तरह बजट पेश करके संवैधानिक मर्यादाओं और व्यवस्थाओं को तोड़ने का काम किया है विधानसभा की सीढ़ियों पर बैठकर प्रदर्शन किया हो और मुख्यमंत्री पर तमाम तरह के आरोप लगाए हो लेकिन सीएम धामी ने इस अपने बजट जो की 1 लाख 11 हजार करोड रुपए का है अपनी पोस्ट में इसे राज्य के इतिहास में ऐतिहासिक बजट बताया है और कहा है कि यह इसलिए ऐतिहासिक है क्योंकि यह अब तक का सबसे बड़ा बजट है। ऐसा प्रचारित किया जाना अत्यंत ही हास्यापद इसलिए भी लगना स्वाभाविक है क्योंकि आमतौर पर हर साल का बजट पिछले सभी बजटो से बड़ा ही होता है। फिर इस बजट का अब तक का सबसे बड़ा बजट होना भला ऐतिहासिक कैसे हो गया? समझ से परे है। राज्य गठन के पहली निर्वाचित सरकार ने 2002 में 4000 करोड़ का बजट पेश किया जिसमें अब तक निरंतर बढ़ोतरी ही हो रही है सीएम धामी ने बीते साल 1 लाख करोड़ का बजट पेश किया था जो इस बार अब 1 लाख 11हजार करोड़ हो गया है। बजट का आकार बढ़ाना भले ही ऐतिहासिक न हो लेकिन उत्तराखंड की सरकारों द्वारा विधानसभा सत्रो के कार्य दिवसों में होने वाली कमी को जरूर ऐतिहासिक कहा जा सकता है। राज्य गठन से लेकर अब तक 24 सालों में सत्रों के कुल कार्य दिवसों की संख्या 358 ही है। जिसे आप यूं समझ सकते हैं कि संवैधानिक रूप से हर साल दो सत्रों के आयोजन की अनिवार्यता को औपचारिक रूप से पूरा करते हुए हर साल सिर्फ औसतन 11-12 दिन में इन सत्रों को निपटा दिया जाता है। कई साल तो ऐसे भी है जब सत्र सिर्फ 7 दिन या 9 दिन ही चले। यह बात अलग है कि बीते 9 साल से विपक्ष में बैठे कांग्रेसी विधायक हर बार सत्र की समयावधि बढ़ाने को लेकर धरने प्रदर्शन करते रहे हैं जैसे फिलहाल कर रहे हैं। राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा तक बिना कराए सीएम धामी ने बजट पेश कर दिया यह भी ऐतिहासिक है। विधानसभा सत्रो का आयोजन मात्र एक औपचारिकता भर रह गया है इस सत्य को सभी जानते समझते हैं। सत्र के दौरान सोमवार का कभी न आना को लेकर विपक्ष हमेशा सवाल उठाता रहा है क्योंकि इस दिन सीएम को प्रश्नकाल में विपक्ष के सवालों का जवाब देना होता है। धामी सरकार ने इस बार सोमवार को सत्र के कार्य दिवस में तो लाया गया लेकिन बड़ी चतुराई से सीएम सवालों का जवाब देने से बच गए उन्होंने न अभिभाषण पर चर्चा होने दी और न प्रश्नकाल जिसमें उनसे विपक्ष का कोई सवाल कर पाता। रही बजट में किस-किस क्षेत्र के लिए कितने बजट का प्रावधान किए जाने की है तो इस विषय में बहुत विस्तार से कुछ यहां नहीं लिखा जा सकता है। गोल्डन कार्ड और आयुष्मान भारत योजना के तहत गरीबों का कैशलेस इलाज के लिए 600 करोड़ का प्रावधान किया गया है। जो अस्पताल इस योजना में इलाज करते हैं उनका कितना बकाया है इस सवाल का सही जवाब यह है कि यह 600 करोड़ अस्पतालों का बकाया चुकाने से बहुत कम है। भविष्य में गरीबों को यह अस्पताल कैसा इलाज देंगे पता नहीं। ठीक वैसे ही जैसे सत्र कब तक चलेगा इसका पता नहीं होता है।

भराड़ीसैंण (गैरसैंण) में विधानसभा बजट सत्र में प्रतिभाग हेतु प्रस्थान करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ।

स्व. दिवाकर भट्ट का व्यक्तित्व उत्तराखंड की जनराजनीति की पहचानः सीएम धामी

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विधानसभा में देवप्रयाग के पूर्व विधायक स्वर्गीय दिवाकर भट्ट को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका संघर्षशील व्यक्तित्व और निर्भीक नेतृत्व उत्तराखंड की जनराजनीति की सशक्त पहचान रहा है। उन्होंने कहा कि साधारण परिवार में जन्म लेने के बावजूद दिवाकर भट्ट ने अपने विचारों, संघर्ष और नेतृत्व से प्रदेश की राजनीति में विशिष्ट स्थान बनाया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की राजनीति में उन्हें "फील्ड मार्शल" के नाम से जाना जाता था, जो उनके दृढ़ और संघर्षशील नेतृत्व का परिचायक था। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय भट्ट का जीवन इस बात की प्रेरणा देता है कि राजनीति केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि सेवा और समर्पण का मार्ग भी है।

मुख्यमंत्री ने उनके जीवनवृत्त का उल्लेख करते हुए कहा कि टिहरी जनपद के बडियारगढ़ क्षेत्र के सुपार गांव में वर्ष 1946 में जन्मे दिवाकर भट्ट ने कम उम्र में ही जन आंदोलनों में सक्रिय भूमिका निभानी शुरू कर दी थी। मात्र 19 वर्ष की आयु से ही वे जनहित के मुद्दों को लेकर आंदोलनों में जुट गए थे। उत्तराखंड राज्य आंदोलन के कठिन दौर में उन्होंने अग्रिम पंक्ति में खड़े होकर आंदोलन को नई ऊर्जा और दिशा दी। उन्होंने कहा कि वर्ष 1995 का श्रीयंत्र टापू आंदोलन और खैट पर्वत पर किया गया उनका अनशन राज्य आंदोलन के इतिहास में आज भी याद किया जाता है। ट्रेड यूनियन आंदोलन से अपनी पहचान बनाने वाले दिवाकर भट्ट ने बीएचईएल की नौकरी छोड़कर उत्तराखंड आंदोलन को मजबूत करने का निर्णय लिया और पहाड़ की आवाज को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वर्गीय भट्ट ने "घेरा डालो-डेरा डालो" जैसे प्रभावी नारों के माध्यम से जनआंदोलन को नई धार दी। यह नारा केवल एक आह्वान नहीं, बल्कि जनदबाव की प्रभावी रणनीति बन गया, जिसने युवाओं और आम लोगों को आंदोलन से जोड़ने का काम किया। उन्होंने बताया कि दिवाकर भट्ट का राजनीतिक सफर भी पूरी तरह जमीनी स्तर से शुरू हुआ। वर्ष 1983 में वे कीर्तिनगर के ब्लॉक प्रमुख चुने गए और लगभग एक दशक तक इस पद पर रहते हुए जनसेवा का कार्य किया। इसके बाद वे जिला पंचायत सदस्य भी रहे और लगातार जनहित के मुद्दों को उठाते रहे। राज्य गठन के बाद वर्ष 2007 में देवप्रयाग विधानसभा क्षेत्र की जनता ने उन्हें अपना प्रतिनिधि चुनकर विधानसभा भेजा। विधायक के रूप में उन्होंने क्षेत्र और राज्य के मुद्दों को सदन में प्रभावी ढंग से उठाया। बाद में उन्होंने राज्य सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में राजस्व, भू-प्रबधंन, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति तथा सैनिक कल्याण जैसे महत्वपूर्ण विभागों का दायित्व संभाला। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड राज्य निर्माण, वन कानूनों में संशोधन, पंचायत परिसीमन, हिल कैडर के क्रियान्वयन और पर्वतीय क्षेत्रों के अधिकारों के मुद्दों पर दिवाकर भट्ट हमेशा मजबूती से खड़े रहे। वे उत्तराखंड क्रांति दल के संस्थापक सदस्यों में भी शामिल रहे और लंबे समय तक संगठन व राज्यहित के मुद्दों को आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाते रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि महत्वपूर्ण पदों पर रहने के बावजूद वे सादगी, स्पष्टवादिता और जनसमर्पण के प्रतीक बने रहे। उन्होंने हमेशा उत्तराखंड के हितों को सर्वोपरि रखा।

उन्होंने कहा कि 25 नवंबर 2025 को उनका निधन प्रदेश के सार्वजनिक जीवन के लिए अपूरणीय क्षति है। मुख्यमंत्री ने सदन की ओर से दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक-संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

उत्तराखंड में यूकेडी की 'दहाड़'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। चुनावी साल में यूकेडी आक्रामक रूख सरकार के लिए मुसीबत पैदा कर रहा है। प्रदेश के विभिन्न मुद्दों को लेकर विगत लंबे समय से यूकेडी की युवा ब्रिगेड ने प्रदेश सरकार की नाम में दम कर रखा है। प्रदेश हित से जुड़ा छोटा हो या बड़ा मुद्दा यूकेडी से जुडेघ युवाओं का हुजूम सड़क पर दिख जाता है और प्रदेश सरकार इससे असहज नजर आती है।

बता दें कि उत्तराखंड राज्य में यह चुनावी साल है और सरकार किसी भी हाल में अपने पक्ष में अपनी किरकिरी नहीं करना चाहती है। क्योंकि लगातार दो साल से सत्ता पर काबिज सरकार आने वाले चुनाव में हैट्रिक लगाने के लिए कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ना चाहती है। हालांकि प्रदेश सरकार और संगठन मिलकर प्रदेश में ऐसा वातावरण तैयार करने में लगी है कि प्रदेश में सबकुछ ठीक है, लेकिन कई बार कई मुद्दों को लेकर सरकार युवाओं के आगे झूकने को मजबूर हो जाती है।

प्रदेश में लंबे समय से कई मुद्दों को लेकर यूकेडी की युवा ब्रिगेड सड़क से लेकर सदन तक हंगामा कर रही है। यही नहीं यूकेडी की युवा ब्रिगेड में जेड जेन को लेकर भी सरकार के मन में आशंका

है कि अगर ऐसा ही चलता रहा तो आने वाले विधानसभा चुनाव में युवा उसकी गणित को बिगाड़ सकते है। हालांकि सगठन की ओर से ऑल ईज वेल कहा जा रहा है, लेकिन हकीकत सरकार को भी पता है।

❑यूकेडी युवा ब्रिगेड ने की प्रदेश सरकार की नाम में दम
❑विभिन्न मुद्दों को लेकर लंबे समय सड़कों पर हैं युवा
❑युवाओं के हुजूम से प्रदेश सरकार दिखा रही है असहज

पिछले कुछ समय से प्रदेश में जो युवाओं ने माहौल बनाया है और प्रदेश की मूल भावना को लेकर यूकेडी की युवा ब्रिगेड जो तंज कसकर आंदोलन कर रही है उससे आने वाले समय में भाजपा और कांग्रेस के लिए मुसीबत खड़ी हो सकती है।

विधानसभा चुनाव के लिए जहां भाजपा और कांग्रेस ने अपनी रणनीति तैयार की है उस पर यूकेडी की युवा ब्रिगेड बड़ा प्रहार कर सकती है। इसके कई उदाहरण अभी तक सामने आ चुके है। अब फिलहाल बात गैरसैंण सत्र की करें तो यूकेडी की युवा ब्रिगेड ने जिस प्रकार से सत्र के पहले ही दिन अपनी उपस्थिति दर्ज कर दहाड़ मारी है उससे सरकार और भाजपा संगठन सकते में है। क्योंकि सरकार ने सत्र के लिए जो प्लान बनाया था उसके विपरीत यूकेडी की युवा ब्रिगेड ने अपने प्रदर्शन से सरकार को स्पष्ट संदेश दे दिया है कि आने वाले विधानसभा चुनाव में वह एका के साथ मैदान में उतरकर सरकार और भाजपा संगठन के लिए मुसीबत पैदा करेंगे।

लव यू जिंदगी... पर झूम उठे दर्शक

नई टिहरी(आरएनएस)। टिहरी झील महोत्सव की दूसरी सांस्कृतिक संध्या में बॉलीवुड गायक व संगीतकार अमित त्रिवेदी और उनके साथी कलाकारों ने समां बांध दिया। उनके गीतों पर दर्शक देर रात तक पंडाल में झूमते रहे। वहीं सुरगंगा संगीत विद्यालय की ओर से टिहरी पर आधारित नाटक और गंगावतरण के भव्य मंचन ने भी दर्शकों की खूब वाहवाही लूटी। कोटीकॉलोनी में आयोजित कार्यक्रम में जैसे ही अमित त्रिवेदी मंच पर पहुंचे, दर्शकों ने सीटियां और तालियां बजाकर उनका स्वागत किया। अमित ने 'जय हो जय हो शंकरा' और 'जयकाल महाकाल' से प्रस्तुति की शुरुआत की। इससे भक्तिमय माहौल बन गया। इसके बाद उन्होंने 'लव यू जिंदगी' गीत सुनाकर युवाओं और अधिकारियों को झूमने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने अपने कई लोकप्रिय गीतों और मिश्रित फिल्मी गीतों की भी प्रस्तुति दी। गायिका मेघना मिश्रा ने 'हवा के झोंके आज मौसम से संवार दो', देवेंद्र पाल सिंह ने 'एक कुड़ी बेगाना मोहब्बत', अरुण कांवत ने 'ये फितूर तेरा', जबकि जाह्नवी जैन ने 'ओ रे मन' और 'गूंजा सा है कोई एक तारा' गीत प्रस्तुत कर दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। इससे पहले झील में गंगावतरण का प्रभावशाली नाट्य मंचन, भव्य गंगा आरती का आयोजन किया गया। 'मेरी प्यारी टिहरी जल में बसी याद' विषय पर आधारित डॉ. विकास फोंदणी के निर्देशन में प्रस्तुत नाटक ने दर्शकों को भावुक कर दिया। नाटक में पुरानी टिहरी के बसने से लेकर उसके उजड़ने तक की मार्मिक कहानी दिखाई गई। इस मौके पर विधायक किशोर उपाध्याय, डीएम नितिका खंडेलवाल, सीडीओ वरूणा अग्रवाल, एसएसपी आयुष अग्रवाल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष मान सिंह रौतेला, कुलदीप पंवार, विजयपाल सिंह रावत, परमवीर पंवार आदि मौजूद रहे।

साइकिल ट्रैकरों ने दिया पर्यावरण संरक्षण संदेश

नई टिहरी(आरएनएस)। टिहरी झील महोत्सव के तहत जौनपुर के सुआखोली से देवलसारी तक साहसिक पर्यटन और पर्यावरण संरक्षण का संदेश को लेकर 53 किलोमीटर की साइकिल ट्रैकिंग हुई। शनिवार रात को साइकिल ट्रैकरों ने पर्यटक स्थल देवलसारी में रात्रि विश्राम कर देवलसारी क्षेत्र के ओतड़ होते हुए तीन किमी का ट्रैकिंग की। ट्रैकिंग दल ने प्रसिद्ध पर्यटक स्थल देवलसारी क्षेत्र के कोणेश्वर महादेव मंदिर के दर्शन कर पहाड़ की सुंदर वादियों आनंद लिया। तहसीलदार बिरम सिंह पंवार ने बताया कि ट्रैकिंग में देश-विदेश के 51 ट्रैकरों ने हिस्सा लिया। साइकिल ट्रैकिंग का उद्देश्य साहसिक पर्यटक के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश देना था। इस मौके पर जिला उद्यान अधिकारी अरविंद शर्मा, शूरवीर सिंह तोमर, वीरेंद्र दत्त गौड़, अंकित बिष्ट, मनवीर पंवार आदि मौजूद थे।

मष्टगांव के प्राथमिक विद्यालय को खुलवाने की मांग

चमोली(आरएनएस)। तहसील जिलासू के अंतर्गत मष्टगांव के प्राथमिक विद्यालय को फिर से खुलवाने की मांग की गई। ग्रामीण ने जिलाधिकारी को इस संबंध में ज्ञापन सौंपा। मष्टगांव निवासी विशेश्वर प्रसाद सती का कहना है कि उनके गांव में पूर्व में प्राथमिक विद्यालय संचालित होता था लेकिन अचानक कुछ साल पहले उसे बंद कर दिया गया। ग्रामीणों ने विद्यालय खुलवाने के लिए काफी प्रयास किए लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। वर्तमान में उनके गांव के तीन बच्चे पढ़ने के लिए करीब तीन किमी दूर प्राथमिक विद्यालय झिलोटी जा रहे हैं। जंगली जानवरों के डर के कारण अभिभावकों को बच्चों के साथ विद्यालय जाना पड़ता है। इससे उनके घर व खेती बाड़ी के काम प्रभावित हो रहे हैं साथ ही बच्चों को भी इतनी दूर आने जाने में परेशानी हो रही है। उन्होंने जिलाधिकारी से उनके गांव के प्राथमिक विद्यालय भवन का निरीक्षण कर उसे फिर से खुलवाने की मांग की।

बदहाल जगोठ-भटवाड़ी मार्ग के विरोध में प्रदर्शन

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)। विकासखंड अगस्त्यमुनि के अंतर्गत जगोठ-कमसाल-मढ़गू-भटवाड़ी मार्ग की बदहाल स्थिति के विरोध में ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। उन्होंने संबंधित विभाग के खिलाफ प्रदर्शन कर नारेबाजी की। कहा कि मार्ग कई जगहों पर क्षतिग्रस्त है। मरम्मत के नाम पर गड्ढों में सिर्फ पत्थर भरे जा रहे हैं। सामाजिक कार्यकर्ता त्रिभुवन चौहान ने कहा कि लंबे समय से सड़क की हालत खस्ताहाल है लेकिन संबंधित विभाग की ओर से अब तक कोई ठोस कार्य नहीं किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि जब भी समस्या के संबंध में पीडब्ल्यूडी ऊखीमठ के अधिशासी अभियंता को फोन किया जाता है तो वे फोन तक नहीं उठाते और न ही समस्या के समाधान की कोई पहल करते हैं। वहीं ग्रामीण अरविंद कुमार ने कहा कि सड़क पर केवल नाममात्र की पेंटिंग कर औपचारिकता की रही है जबकि कई स्थानों पर सड़क क्षतिग्रस्त हो चुकी है।

उन्होंने आरोप लगाया कि ठेकेदार की ओर से मरम्मत के नाम पर गड्ढों में केवल पत्थर भरा जा रहा है जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि वर्ष 2013 की आपदा के बाद से इस सड़क पर न तो ठीक से पेंटिंग की गई न ही इसका सुधारीकरण किया। मार्ग की स्थिति लगातार बदतर होती जा रही है। वहीं जगोठ कमसाल मार्ग पर वर्ष 2020 में क्षतिग्रस्त हुआ पुल अभी तक नहीं बन पाया है। इस मौके पर अगस्त्यमुनि ब्लॉक के प्रमुख भुवनेश्वरी देवी, प्रमोद गुसाईं, विनोद प्रसाद, आनंद और बुद्धि लाल सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

पेंशनर्स की एकता जरूरी, 2040 के बाद ढूंढने से भी नहीं मिलेंगे पेंशनर: भट्ट

हरिद्वार(आरएनएस)। पूर्व आईएएस अफसर चंद्रशेखर भट्ट ने कहा है कि देश में पेंशनर्स की संख्या लगातार घटती रही है। वर्ष 2040 के बाद ऐसी स्थिति भी आ सकती है कि पेंशनर्स ढूंढने से भी नहीं मिलेंगे। इसलिए, पेंशनर्स की एकता और संगठन पहले से अधिक जरूरी हो गया है। वे रविवार को ऋषिकुल ऑडिटोरियम में गवर्नमेंट पेंशनर्स वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन (जीपीडब्ल्यूओ) के रजत जयंती महोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि राजशाही काल में सेवकों की आर्थिक सुरक्षा के लिए पेंशन व्यवस्था शुरू की गई थी, पर समय के साथ इसके स्वरूप में बदलाव किया जाता रहा। उन्होंने पेंशनर्स से अपने अधिकारों के प्रति जागरूक और संगठित रहने का आह्वान किया। अति विशिष्ट अतिथि उत्तराखंड आयुर्वेद विवि के पूर्व कुलपति प्रो. सुनील कुमार जोशी ने कहा कि बढ़ती उम्र में आपसी मेलजोल, सामाजिक सक्रियता और संगठनात्मक गतिविधियां बेहतर स्वास्थ्य के लिए जरूरी हैं। उत्तराखंड संस्कृत विवि के कुलपति प्रो. रमाकांत पांडेय ने राष्ट्र और समाज निर्माण में पेंशनर्स की महत्वपूर्ण भूमिका को बताया। जिलाध्यक्ष बीपी चौहान की अध्यक्षता, महामंत्री जेपी चाहर और प्रकाश जोशी के संयुक्त संचालन में आयोजित इस महोत्सव में विभिन्न जिलों से पहुंचे वक्ताओं ने सेवानिवृत्ति के बाद भी पेंशनर्स की सामाजिक और राष्ट्रीय विकास में उपयोगिता पर जोर दिया। दूसरे सत्र में फूलों की होली के साथ समापन हुआ। इस दौरान एमपी सिंह गोयल, मिट्ठन लाल शर्मा, अतर सिंह, वीके गुप्ता, ओपी तिवारी, एमके अग्रवाल, बीपी सिंह सैनी, सुखवंश सिंह और आरडी अग्रवाल सहित कई सदस्य पहुंचे।गोल्डन कार्ड से जुड़ीं समस्याएं उठाईंइस अवसर पर महामंत्री जेपी चाहर ने 11 सूत्रीय मांगपत्र भी रखा। उन्होंने आठवें वेतन आयोग की ओर से पेंशन पुनरीक्षण प्रक्रिया पर नजर बनाए रखने की जरूरत बताई। गोल्डन कार्ड से जुड़ी समस्याएं, नोशनल इंक्रीमेंट और पेंशनर्स दिवस जैसे मुद्दों पर भी चर्चा की गई। सेवानिवृत्त अर्थ संख्याधिकारी आरके जोशी की संपादित 'सेकेंड इनिंग' स्मारिका का विमोचन भी किया गया।

गौचर में पेयजल संकट, छह से अधिक मोहल्लों में दिक्कत

चमोली(आरएनएस)। गर्मी बढ़ने के साथ ही पालिका क्षेत्र के कुछ वार्डों के छह से अधिक मोहल्लों में पेयजल संकट गहराने लगा है। ऐसे में लोगों को स्रोतों से पानी ढोकर लाना पड़ रहा है।नगर क्षेत्र के पनाई तल्ली वार्ड, रावलनगर, साकेत नगर, भट्टनगर, द्रोणागिरी और शैल बसंतपुर के कुछ मोहल्लों में जलापूर्ति सुचारु न होने से लोगों के सामने पेयजल संकट बना हुआ है।

सभासद चैतन्य बिष्ट, विनोद कनवासी और पूनम रावत का कहना है कि सुबह और शाम कुछ देर के लिए ही पानी की सप्लाई हो रही है लेकिन लाइनों में पानी का पूरा प्रेशर न होने से सभी जगह सप्लाई नहीं पहुंच रही है। वहीं जल संस्थान की अवर अभियंता आइशा कनवासी ने बताया कि साकेत नगर, भट्टनगर, द्रोणागिरी और पनाई तल्ली वार्ड में सुबह-शाम तीन-तीन घंटे पानी की सप्लाई की जा रही है। लोगों ने दिनभर जलापूर्ति की मांग है लेकिन पानी टैंकों में स्टोरेज भी करना होता है। संभव है किसी के घर के निजी लाइन ब्लॉक होने की समस्या हो। मोहल्लों का निरीक्षण कर समस्या का निराकरण कर लिया जाएगा।

भरपूर पट्टी के तोली गांव के लिए सड़क निर्माण शुरू

पौड़ी(आरएनएस)। ऋषिकेश बदरीनाथ राजमार्ग से भरपूर पट्टी के तोली गांव के लिए सड़क निर्माण का काम आखिर शुरू हो गया। जिला योजना के अंतर्गत बनने वाली एक किलोमीटर सड़क से तोली गांव की करीब 600 की आबादी को लाभ मिलेगा। कैबिनेट मंत्री व क्षेत्रीय विधायक सुबोध उनियाल की ओर से सड़क निर्माण के लिए गांववासियों में सहमति बनाए जाने के बाद जिला योजना से इसकी मंजूरी मिली है। अवर अभियंता सोहनलाल ने बताया कि दो माह में सड़क का निर्माण पूरा कर लिया जाएगा। सड़क निर्माण शुरू होने पर विधायक प्रतिनिधि महेंद्र गुसाई, जिला भाजपा मंत्री हर्षपाल कोली, ग्राम प्रधान तोली सोनिया चौहा, पूर्व प्रधान नरेंद्र चौहान, टेकसिंह, भाजयुमो अध्यक्ष अरविंद रावत व प्रधान डॉबरी जगवीर सिंह आदि ने खुशी जताई।

रसोई गैस की बढ़ती कीमतों के खिलाफ यूथ कांग्रेस का प्रदर्शन

हरिद्वार(आरएनएस)। रसोई गैस के दाम में 60 रुपये की बढ़ोतरी के विरोध में यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ऋषिकुल तिराहे पर प्रदर्शन किया। कार्यकारी अध्यक्ष विशाल प्रधान के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारे लगाए। घरेलू सिलेंडर की बढ़ी कीमतें वापस लेने की मांग जोर-शोर से उठाई। वरिष्ठ कांग्रेस नेता सोम त्यागी ने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियों के कारण आम आदमी पर महंगाई का बोझ बढ़ता जा रहा है। रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि से गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों का घरेलू बजट बिगड़ रहा है। कांग्रेस नेता मनोज सैनी ने कहा कि सरकार को तुरंत रसोई गैस के दाम कम करने चाहिए, ताकि आम लोगों को राहत मिल सके। पूर्व सभासद अशोक शर्मा ने कहा कि महंगाई से जनता परेशान है, लेकिन सरकार जनसमस्याओं को अनदेखा कर रही है।इस प्रदर्शन में सरिता शर्मा, अनिल ठाकुर, धर्मपाल, आनंद राठौर, राहुल राठौर, निखिल सोदाई, जावेद आलम, नरेंद्र जोगी, ब्लॉक अध्यक्ष विकास चंद्र, विष्णु, शुभम रावत, शिवम वाल्मीकि, अक्षय सैनी, मुस्तकीम, दीपक गौतम, जीतू, सार्थक ठाकुर, रवि विमल और सौरभ सैनी सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।रसोई चलाना मुश्किल कर दिया-प्रधानयूथ कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष विशाल प्रधान ने कहा कि भाजपा सरकार महंगाई नियंत्रित करने में पूरी तरह विफल साबित हो रही है। गैस सिलेंडर के दाम बढ़ाकर सरकार ने आम लोगों के लिए रसोई चलाना मुश्किल कर दिया है।

अधिवेशन में बुजुर्गों और अतिथियों को किया सम्मानित

रुड़की(आरएनएस)। गवर्नमेंट पेंशनर्स वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन का 32वां वार्षिक अधिवेशन धूमधाम से आयोजित किया गया। अधिवेशन में 90 वर्ष से अधिक आयु के सात सदस्यों को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही स्मारिका 2026 का भी विमोचन किया गया। आयोजित अधिवेशन की अध्यक्षता संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष बची सिंह रावत ने की।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर उत्तराखंड संस्कृत भारती के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. आनंद भारद्वाज रहे। जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में सीएमएस डॉ. अरविंद कुमार मिश्रा, कोषागार के कोषाधिकारी शिवेंद्र कुमार व नगर विधायक प्रदीप बत्रा रहे। सभी अतिथियों ने कार्यक्रम का शुभारंभ दीप जलाकर और मां सरस्वती की वंदना के साथ किया।

कार्यक्रम में संगठन के वरिष्ठ सदस्यों को उनकी आयु के आधार पर माला, शॉल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं 90 वर्ष की आयु पूरी कर चुके सात सदस्यों को विशेष सम्मानित किया गया। इस मौके पर स्मारिका 2026 का भी विमोचन किया गया। कार्यक्रम में रुड़की के ब्रांड एंबेसडर यतेंद्र कुमार चौधरी, मोनू जलवीर और तेजस्व को भी उनकी विशिष्ट उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। अध्यक्ष बची सिंह रावत ने शाखा द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करते हुए उत्तराखंड में रुड़की शाखा को प्रथम स्थान देने की घोषणा की।

कार्यक्रम के दौरान विधायक प्रदीप बत्रा ने रुड़की के वरिष्ठ नागरिकों के लिए डे-केयर यूनिट स्थापित कराने का आश्वासन दिया। इस यूनिट के बाद वरिष्ठ नागरिकों को मनोरंजन और स्वास्थ्य से जुड़ी सुविधाएं उपलब्ध हो सकेगी। कार्यक्रम में अंबाला से पहुंचे भारत पेंशन समाज के उपाध्यक्ष हंस राज माही ने भी उपस्थित होकर मार्गदर्शन दिया।

इस मौके पर अध्यक्ष कुलदीप अग्रवाल, महासचिव बालोराम चौहान, वरिष्ठ उपाध्यक्ष ऋषिपाल चौहान, एसके शर्मा आदि मौजूद रहे।

ऑनलाइन पुराने डिजाइनर बैग खरीदने की सोच रहे हैं? इन बातों का रखें खास ध्यान

पुराने डिजाइनर बैग्स न केवल फैशन का हिस्सा हैं, बल्कि एक निवेश भी हो सकते हैं। ये बैग्स समय के साथ अपनी कीमत बढ़ाते हैं और संग्रहणीय वस्तुओं की तरह काम करते हैं। हालांकि, ऑनलाइन खरीदारी करते समय धोखाधड़ी का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए जरूरी है कि आप सही जानकारी और सावधानी बरतते हुए इन बैग्स को खरीदें। आइए कुछ जरूरी टिप्स जानते हैं, जो आपको सही बैग चुनने और खरीदने में मदद कर सकते हैं।

भरोसेमंद वेबसाइट का चयन करें

पुराने डिजाइनर बैग खरीदते समय सबसे पहले एक भरोसेमंद वेबसाइट का चयन करें। ऐसी वेबसाइट्स चुनें, जो मशहूर और विश्वसनीय हों। इसके अलावा समीक्षाएं पढ़ें और उपयोगकर्ताओं की प्रतिक्रिया देखें। इससे आपको विक्रेता की सच्चाई का पता चलेगा और धोखाधड़ी से बचने में मदद मिलेगी। हमेशा उन वेबसाइट्स पर भरोसा करें, जिनके बारे में आपको पहले से जानकारी हो और जो अच्छी रेटिंग्स प्राप्त कर चुकी हों। इससे आपकी खरीदारी सुरक्षित और संतोषजनक होगी।

उत्पाद की जानकारी पढ़ें

जब भी आप किसी पुराने डिजाइनर बैग पर नजर डालें, उसके उत्पाद की जानकारी को ध्यान से पढ़ें। इसमें बैग की सामग्री, आकार, रंग और अन्य विशेषताएं शामिल होनी चाहिए। इससे आपको यह समझने में मदद मिलेगी कि बैग असली है या नकली। इसके अलावा उत्पाद विवरण से आपको बैग की स्थिति का भी पता चलेगा, जैसे कि क्या इसमें कोई खरोंच या दाग है या नहीं। इससे आप सही निर्णय ले सकेंगे और धोखाधड़ी से बच सकेंगे।

तस्वीरों पर भरोसा न करें

ऑनलाइन तस्वीरें अक्सर धोखा दे सकती हैं इसलिए केवल तस्वीरों पर भरोसा न करें। हमेशा विक्रेता से मांग करें कि वह वीडियो कॉल पर आपको बैग दिखाए या उसका लाइव डेमो दे। इससे आपको असली और नकली बैग में अंतर समझने में मदद मिलेगी। इसके अलावा वीडियो कॉल के माध्यम से आप बैग की स्थिति, गुणवत्ता और अन्य विवरणों की पुष्टि कर सकते हैं। इससे आपकी खरीदारी अधिक सुरक्षित और संतोषजनक होगी।

कीमतों की तुलना करें

अलग-अलग विक्रेताओं द्वारा दिए गए दामों की तुलना करें ताकि आपको सही कीमत का पता चल सके। अगर कोई बैग बहुत सस्ता मिल रहा है तो हो सकता है कि वह नकली हो। इसलिए हमेशा बाजार मूल्य का पता लगाएं और उसी अनुसार खरीदारी करें। इसके अलावा यह भी सुनिश्चित करें कि विक्रेता की वापसी नीति क्या है ताकि अगर बैग आपके उम्मीदों पर खरा न उतरे तो आप उसे वापस कर सकें।

भुगतान विधि सुरक्षित हो

भुगतान करते समय हमेशा सुरक्षित तरीकों का ही उपयोग करें जैसे कि क्रेडिट कार्ड या ऑनलाइन भुगतान माध्यम। नकद भुगतान करने से बचें क्योंकि इससे आपकी जानकारी चोरी हो सकती है। इसके अलावा अगर आपको किसी विक्रेता पर शक हो तो उसकी वेबसाइट पर सीधे जाने की बजाय किसी तीसरे पक्ष की वेबसाइट का इस्तेमाल करें, जहां उनकी प्रोफाइल और रेटिंग्स दोनों उपलब्ध हों।

एल्विश यादव का नया गाना जस्टिन बीबर जारी, ईशा मालवीय संग जोड़ी लगी शानदार

मशहूर यूट्यबर और बिग बॉस ओटीटी 2 के विजेता एल्विश यादव का नया गाना जस्टिन बीबर जारी हो गया है जिसने आते ही यूट्यूब पर धमाल मचा दिया। संगीतकार अनु अमानत की आवाज में इस हरियाणवी गाने को गाया गया है, जबकि रैप खुद एल्विश ने किया है। ग

ाने का निर्माण फ्लेम म्यूजिक और नितेश उजोली ने मिलकर किया है। जस्टिन बीबर में एल्विश के साथ ईशा मालवीय नजर आई हैं। दोनों की जोड़ी को फैंस ने जबरदस्त बताया है।

एल्विश के नए गाने को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं, तो वहीं कुछ लोगों को इसके बोल खटक रहे हैं। चर्चा है कि इसके बोल और दृश्य प्रिंस नरुला और मैक्सटर्न के साथ उनके पिछले विवादों की ओर इशारा करते हैं।

करीब 2.21 मिनट पर, लोगों को यकीन है कि एल्विश ने मैक्सटर्न पर अप्रत्यक्ष रूप से कटाक्ष किया है। बता दें, एल्विश और मैक्सटर्न के बीच एक विवाद को लेकर हुआ थप्पड़ कांड खूब चर्चा में रहा था।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

क्या गैलगोटियास विश्वविद्यालय की घटना ने भारतीय शिक्षा में 'पैंडोरा का बक्सा' खोल दिया है?

देवेंद्र कुमार बुडाकोटी

फरवरी 2026 में नई दिल्ली में आयोजित कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) शिखर सम्मेलन भारत की धरती पर आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम था, जिसमें 30 देशों के 300 से अधिक प्रदर्शकों ने भाग लिया। इस सम्मेलन का उद्देश्य अत्याधुनिक तकनीकी नवाचारों को प्रदर्शित करना और वैश्विक एआई पारिस्थितिकी तंत्र में भारत की बढ़ती भूमिका को सामने लाना था।

सब कुछ सामान्य रूप से चल रहा था, तभी गैलगोटियास विश्वविद्यालय से जुड़ी एक घटना ने पूरे आयोजन पर छाया डाल दी और भारत के निजी विश्वविद्यालयों से आने वाले तकनीकी दावों की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया। विवाद तब शुरू हुआ जब विश्वविद्यालय पर यह आरोप लगा कि उसने चीन में निर्मित एक रोबोटिक कुत्ते को अपनी "मेड इन इंडिया" इन-हाउस नवाचार के रूप में प्रस्तुत किया। यह घटना शीघ्र ही सोशल मीडिया पर व्यापक उपहास का विषय बन गई और इसके साथ ही देश भर में निजी विश्वविद्यालयों में अकादमिक ईमानदारी तथा शिक्षण और शोध की गुणवत्ता को लेकर व्यापक बहस छिड़ गई।

गैलगोटियास विश्वविद्यालय द्वारा एआई रोबोटिक कुत्ते के प्रदर्शन और उसके बाद सोशल मीडिया पर आई प्रतिक्रियाओं ने भारत में उच्च शिक्षा की स्थिति को लेकर मानो 'पैंडोरा का बक्सा' खोल दिया। इस घटना ने विभिन्न मीडिया मंचों पर निजी संस्थानों में उच्च शिक्षा की बुनियादी संरचना और विश्वसनीयता पर चर्चा को जन्म दिया।

यह सर्वविदित है कि भारत के अधिकांश निजी विश्वविद्यालय अपने विकास और संचालन के लिए लगभग पूरी तरह छात्रों की फीस पर निर्भर करते हैं। ऐसे तंत्र में, जहाँ आय का मुख्य स्रोत ट्यूशन फीस होती है, वित्तीय स्थिरता काफी हद तक छात्र नामांकन की संख्या पर निर्भर करती है। संस्थानों के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण कई

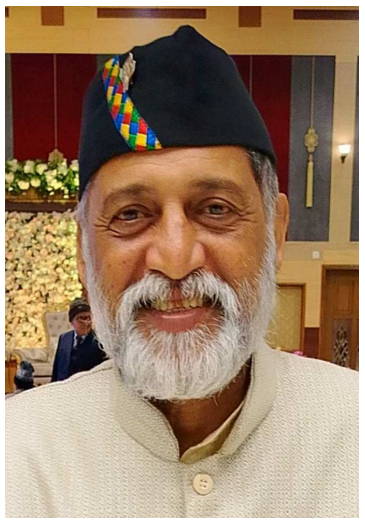

●देवेन्द्र कुमार बुडाकोटी

विश्वविद्यालय छात्रों को आकर्षित करने के लिए आक्रामक विपणन रणनीतियाँ अपनाते हैं।

जहाँ प्रतिष्ठित संस्थान जैसे IITs, IIMs और AIIMSs जैसे सरकारी संस्थानों-तथा कुछ स्थापित निजी विश्वविद्यालयों-को स्वयं का प्रचार करने की आवश्यकता नहीं होती, वहीं अनेक निजी विश्वविद्यालय छात्रों को अपने परिसर तक आकर्षित करने के लिए विज्ञापनों पर भारी निर्भरता रखते हैं।

सबसे आम रणनीतियों में से एक है अपने प्लेसमेंट रिकॉर्ड को प्रमुखता से दिखाना और कभी-कभी उसे बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत करना। ऐसे दावों का प्रचार अक्सर समाचार पत्रों, टेलीविजन चौनलों और राजमार्गों के किनारे लगे बड़े-बड़े होर्डिंग्स में देखा जा सकता है।

इसके साथ ही भव्य भवन, आधुनिक प्रयोगशालाएँ, उन्नत बुनियादी ढाँचा और आकर्षक कैंपस सुविधाएँ इन संस्थानों के चारों ओर उत्कृष्टता का एक वातावरण निर्मित करती हैं। ऐसे देश में, जहाँ सीमित सीटों के कारण बड़ी संख्या में छात्र सरकारी शिक्षण संस्थानों में प्रवेश प्राप्त नहीं कर पाते, कई परिवारों के पास अपने बच्चों को निजी विश्वविद्यालयों में भेजने के लिए आर्थिक संसाधन जुटाने के अलावा बहुत कम विकल्प रह जाते हैं।

हालाँकि, भारत में निजी संस्थानों की शिक्षण गुणवत्ता पर प्रश्न उठाते समय यह भी आवश्यक है कि हम सरकारी शिक्षण संस्थानों-प्राथमिक विद्यालयों से लेकर उच्च विद्यालयों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों तक-की स्थिति का भी गंभीरता से मूल्यांकन करें। आज अनेक सरकारी विद्यालयों में नामांकन लगातार घट रहा है, क्योंकि अभिभावक अपने बच्चों को निजी विद्यालयों में भेजना अधिक उचित समझते हैं।

इस स्थिति में एक उल्लेखनीय विडंबना भी दिखाई देती है-कई सरकारी शिक्षकों के अपने बच्चे सरकारी विद्यालयों में नहीं पढ़ते, फिर भी प्रत्येक बी.एड. स्नातक सरकारी शिक्षक बनने की आकांक्षा रखता है। यह विरोधाभास शिक्षा प्रणाली के प्रति जनता के विश्वास के बारे में क्या संकेत देता है?

गैलगोटियास विश्वविद्यालय की यह घटना-जिसमें कथित रूप से चीन निर्मित एआई रोबोटिक कुत्ते को स्वदेशी नवाचार के रूप में प्रस्तुत किया गया-ने व्यापक सार्वजनिक प्रतिक्रिया उत्पन्न की और शिक्षण मानकों तथा अकादमिक ईमानदारी पर राष्ट्रीय स्तर की बहस को जन्म दिया। जो मामला एक निजी संस्थान तक सीमित रह सकता था, वह अब एक बड़े सार्वजनिक मुद्दे का रूप ले चुका है। समाजशास्त्रीय दृष्टि से यह वही प्रक्रिया है जिसे समाजशास्त्रीय कल्पना-Sociological Imagination में निजी समस्या का सार्वजनिक मुद्दे में परिवर्तन कहा गया है।

जब कोई विषय सार्वजनिक मुद्दा बन जाता है, तो वह नीतिगत ध्यान की माँग करता है। ऐसी परिस्थितियों से निपटने के लिए सुविचारित सार्वजनिक नीतिगत पहल आवश्यक है और सरकार को इस गंभीर विषय पर जिम्मेदारी और गंभीरता के साथ विचार करना चाहिए।

लेखक एक समाजशास्त्री हैं और जेएनयू, नई दिल्ली के पूर्व छात्र हैं। उनके शोध कार्य का उल्लेख नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन की पुस्तकों में भी किया गया है।

शब्द सामर्थ्य -067

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. आय व्यय का लेखा-जोखा, गणित, एकाउंट 3. विनती, अदब 6. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 7. मूल्यवान, बहुमूल्य 8. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 10. बराबर, सम 12. मुख, चेहरा 14. अनुकृति, अनुकरण, असल का विलोम 17. दिमाग, मस्तिष्क 18. मनोहर, सुंदर, इच्छित, प्यारा 19. गर्मी, ताप 21. रसिया, प्रेमी, रसपान करने वाला 23. दबाव, भार 24. भीख 25. काम से जी चुराने वाला, आलसी।

ऊपर से नीचे

1. साहस, वीरता, बहादुरी 2. बहिन, प्रवाहित होना 3. प्रणय क्रीडा, सुखोपभोग, हावभाव 4. विश्वास, प्रतीति 5. इंतजार 9. खाने-पीने का सामान, रसद 11. नशीला, मदभरा 12. घायल, जख्मी 13. झुकना, प्रणाम, नमस्कार 14. दृष्टि, निगाह 15. तीव्रइच्छा 16. अर्थ, अभिप्राय, स्वार्थ 20. इम्तिहान, योग्यता आदि को परखना 22. जुल्म, अन्याय 23. पत्नी, बीवी, एक प्रत्यय।

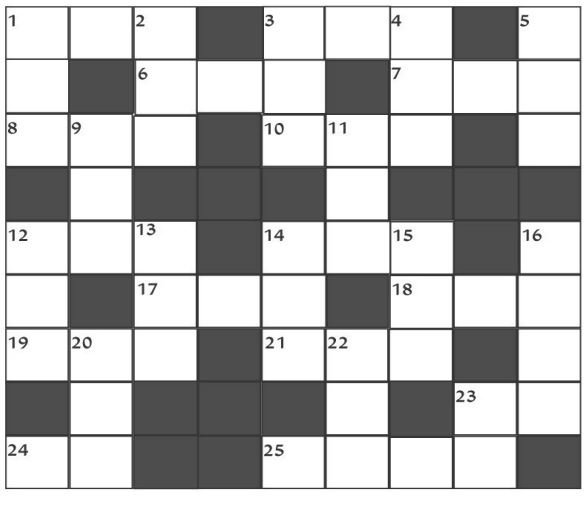

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 66 का हल

दा	ढ़ी	■	की	■	खा	सो	आ	म
वा	■	त	म	न्ना	■	■	जा	■
न	जा	क	त	■	बा	अ	द	ब
ल	■	ली	■	वि	ला	प	■	हा
■	अ	फ	सा	ना	■	मा	हि	र
दा	ब	■	■	श	गु	न	■	■
न	■	उ	प	का	र	■	शि	■
व	■	त्स	■	र	■	त	क	ला
■	सा	व	न	■	गु	रु	वा	र

रजनीकांत और कमल हासन की एक साथ सिल्वर स्क्रीन पर वापसी

लगभग आधी सदी (47 साल) के लंबे इंतजार के बाद, दक्षिण भारतीय सिनेमा के दो सबसे बड़े महानायक रजनीकांत और कमल हासन एक साथ सिल्वर स्क्रीन पर वापसी कर रहे हैं. इस फिल्म का निर्देशन नेल्सन दिलीपकुमार कर रहे हैं. इस फिल्म का नाम अभी नहीं बताया गया है. फिलहाल इस मेगा-प्रोजेक्ट को अस्थायी रूप से केएचएक्सआरके नाम दिया गया है. इस फिल्म के निर्माताओं ने इसका पहला प्रोमो वीडियो जारी किया. इस प्रोमो वीडियो में एक जबरदस्त रेट्रो और गैंगस्टर-स्टाइल थीम दिखाई गई है. वीडियो की शुरुआत काफी मजेदार अंदाज में होती है, जहां निर्देशक नेल्सन को एक गलियारे में घबराहट के साथ चलते हुए देखा जा सकता है. वे इस उलझन में नजर आते हैं कि उन्हें पहले रजनीकांत के कमरे में जाना चाहिए या कमल हासन के.

ठीक उसी समय, संगीतकार अनिरुद्ध रविचंदर अपनी एक अलग दुविधा के साथ वहां आते हैं. वे नेल्सन से पूछते हैं कि उन्हें फिल्म के संगीत के लिए कौन सा राग चुनना चाहिए. अपनी दो उंगलियां दिखाते हुए, अनिरुद्ध नेल्सन को संदेह होने पर कोई एक चुन लें वाला क्लासिक तरीका अपनाने का सुझाव देते हैं.

अनिरुद्ध को फैसला लेने में मदद करने के बाद, नेल्सन इसी ट्रिक का इस्तेमाल अपनी बड़ी उलझन सुलझाने के लिए करते हैं. यानी दोनों दिग्गजों में से किसी एक को चुनने के लिए. इसके बाद एक मजेदार मोंटाज (दृश्यों का सिलसिला) आता है, जिसमें नेल्सन दोनों अभिनेताओं को तैयार होने में मदद करते हुए दिखाई देते हैं.

वे मजाकिया अंदाज में उनके सामान और कपड़ों को आपस में मिला देते हैं और पूरे आत्मविश्वास के साथ दावा करते हैं कि एक खास जूता रजनीकांत का है, जिससे दोनों सितारे साफ तौर पर चिढ़ते हुए नजर आते हैं. इसके बाद प्रोमो का मिजाज पूरी तरह बदल जाता है. वीडियो में बेहद नाटकीय अंदाज में कमल हासन और रजनीकांत के स्टाइलिश लुक का खुलासा होता है. दोनों सितारे फुल-लेंथ लेदर जैकेट पहने नजर आ रहे हैं, जो एक जबरदस्त रेट्रो गैंगस्टर वाइब दे रहा है. वे पूरे टशन के साथ एक अंधेरे गैरेज में खड़ी कार की ओर बढ़ते हैं. कमल हासन ड्राइवर की सीट संभालते हैं जबकि रजनीकांत उनके बगल में बैठते हैं। यह क्लिप एक दमदार मोड़ पर खत्म होती है जब दोनों नेल्सन की ओर मुड़ते हैं और उससे पूछते हैं, हीरो कौन है?

इससे पहले, निर्माताओं ने फिल्म का एक पोस्टर जारी किया था. इस पोस्टर का डिज़ाइन विंटेज लुक वाला था, जिसमें लेदर जैकेट पहने दो पुरुषों के हाथ दिखाए गए थे. उनके हाथों में सोने की घड़ी और एक अंगूठी नजर आ रही थी, जो उनके क्लासिक रेट्रो स्वैग (पुराने दौर के टशन) की ओर इशारा कर रही थी. पोस्टर पर टैगलाइन लिखी थी- कुछ लोग नियम बनाते हैं, कुछ लोग राज करते हैं.

कमल हासन और रजनीकांत को आखिरी बार 1979 की फिल्म अलाउद्दीनम अल्भुथा विलक्कुम में एक साथ देखा गया था. इससे पहले उन्होंने अपूर्व रागंगल, अवरगल, मुंद्रू मुदिचू और पतिनारु वयथिनिले जैसी क्लासिक फिल्मों में भी स्क्रीन साझा की है. कमल हासन और रजनीकांत ने 1985 में बनी हिंदी फिल्म गिरफ्तार में एक साथ काम किया था. हालांकि, इस फिल्म में दोनों के एक साथ कोई दृश्य नहीं थे.

फिल्म जय सोमनाथ 2027 में होगी रिलीज, दिखाई पहली झलक

संजय लीला भंसाली ने ऑफिशियली अपने अगले बड़े वेंचर जय सोमनाथ की घोषणा की है, जो 2027 में दुनिया भर में थिएटर में रिलीज होगी। फिल्ममेकर ने इस प्रोजेक्ट के बारे में एक खास लाइन के साथ फिल्म को लेकर अपडेट दी, जिसमें लिखा था कि मंदिर तोड़ा जा सकता है, आस्था नहीं यह फिल्म एक इमोशनल हिस्टोरिकल ड्रामा की ओर इशारा करती है। भंसाली ने नए प्रोजेक्ट का टाइटल बताया और बताया कि जय सोमनाथ को केतन मेहता डायरेक्ट करेंगे, जो कल्चर से जुड़े सिनेमा को सपोर्ट करने के लिए जाने जाते हैं। टाइटल से पौराणिक और ऐतिहासिक बातें पता चलती हैं, जो भगवान शिव से जुड़ी हैं।

भंसाली प्रोडक्शंस के सपोर्ट से और खुद भंसाली द्वारा प्रेजेंट की गई जय सोमनाथ को केतन मेहता डायरेक्ट करेंगे, जो दो फिल्ममेकर्स के बीच एक बड़ा कोलेबोरेशन है जो अपने स्केल और कहानी कहने की गहराई के लिए जाने जाते हैं। 2027 में रिलीज होने वाले इस प्रोजेक्ट को लेकर उम्मीदें अभी से बढ़ने लगी हैं। हालांकि, कास्ट और स्टोरीलाइन के बारे में अभी ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है। इस अनाउंसमेंट ने सिनेमा लवर्स के बीच पहले ही एक्साइटमेंट पैदा कर दी है।

हालांकि कहानी की डिटेल अभी तक नहीं बताई गई है, लेकिन टाइटल और टैगलाइन से साफ पता चलता है कि कहानी मजबूती, विश्वास और इतिहास पर आधारित है। सोमनाथ का जिक्र ऐतिहासिक सोमनाथ मंदिर की याद दिलाता है, जो सदियों से कई हमलों और पुनर्निर्माण का गवाह रहा है। अगर भंसाली की पिछली फिल्मों को देखें तो दर्शक इमोशन, ड्रामा और बड़ी कहानी कहने के अंदाज से भरी एक शानदार कहानी की उम्मीद कर सकते हैं।

जय सोमनाथ 2027 में रिलीज होने वाली है। ऐसा लगता है कि टीम जल्दबाजी में कोई शानदार फिल्म बनाने के बजाय ध्यान से प्रोडक्शन प्लान कर रही है। भंसाली के बड़े सिनेमैटिक यूनिवर्स बनाने के ट्रैक रिकॉर्ड को देखते हुए, लंबे लीड टाइम का मतलब हो सकता है कि आने वाले महीनों में बड़े सेट, डिटेल्ड रिसर्च और दमदार कलाकारों की टीम की घोषणा हो सकती है।

तापसी पन्नू का ग्लैमर पर तीखा तंज, बोलीं- बॉलीवुड को क्लीवेज चाहिए और साउथ को नाभि

अभिनेत्री तापसी पन्नू ने हाल ही में हिंदी और साउथ सिनेमा में महिलाओं के चित्रण पर अपनी राय साझा की। उन्होंने कहा कि दोनों फिल्म इंडस्ट्री में ग्लैमर दिखाने का तरीका अलग-अलग है। तापसी के अनुसार, बॉलीवुड फिल्मों में अक्सर क्लीवेज पर अधिक ध्यान दिया जाता है, जबकि साउथ की फिल्मों में नाभि को दिखाने पर ज्यादा जोर रहता है। उनके इस बयान ने फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं के प्रति नजरिए को लेकर एक चर्चा शुरू कर दी है।

तापसी ने अपने दिल्ली के मध्यम-वर्गीय पालन-पोषण से लेकर फिल्मी सेट के अनुभवों तक कई मुद्दों पर खुलकर बात की। उन्होंने एक ऐसे विषय पर चर्चा की, जिसे अक्सर पर्दे के पीछे ही रखा जाता है।

जब तापसी से पूछा गया कि भोजपुरी और दक्षिण भारतीय सिनेमा के गानों में नाभि पर इतना ध्यान क्यों दिया जाता है तो उन्होंने कहा, मैं खुद भी इसे समझने की कोशिश कर रही हूं। ऐसा नहीं है कि हिंदी सिनेमा के आइटम गानों में इस पर ध्यान नहीं दिया जाता, लेकिन साउथ सिनेमा जितना नहीं। हिंदी सिनेमा में फोकस क्लीवेज पर ज्यादा रहता है। उन्होंने फिल्मी सेटों पर महिला कलाकारों के प्रति इंडस्ट्री के नजरिए पर खुलकर बात की।

तापसी बोलीं, साउथ में अक्सर अभिनेत्रियों से पैडेड ब्रा पहनने के लिए कहा जाता है। सबसे बड़ी समस्या है कि निर्देशक सेट पर ये बात आखिर कहे किससे? उन्होंने बताया कि ये बात सीधे नहीं कही जाती, बल्कि एक चेन के जरिए पहुंचती है। निर्देशक से असिस्टेंट डायरेक्टर, फिर स्टाइलिंग टीम, फिर हेयर और वार्डरोब वाली महिलाओं के पास और अंत में हीरोइन तक। तापसी ने वो शर्मिंदगी बयां कर कहा, कल्पना कीजिए कि ये कितना अजीब होता होगा।

तापसी ने बताया, आप एक गाना शूट कर रहे हैं, बीच में कोई उठता और चला जाता है। सेट पर मौजूद सबको पता होता है कि क्या हो रहा है। हर कोई देख रहा होता है कि आप लौटें तो क्या अलग दिखेगा। उन्होंने कहा कि महिला कलाकार के लिए ये सिर्फ कपड़े बदलने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि मानसिक रूप से काफी असहज और अपमानजनक होती है, खासकर जब पूरे सेट को पता हो कि निर्देशक क्या बदलाव चाहता है।

कीर्ति कुल्हारी अब खलनायिका बनकर मचाएंगी तहलका

पिंक, इंदु सरकार और फोर मोर शॉट्स प्लीज जैसी फिल्मों-सीरीज से दर्शकों का दिल जीतने वालीं कीर्ति कुल्हारी नई भूमिका को लेकर चर्चा में आ गई हैं। दिलचस्प बात यह है कि फैंस इस बार उन्हें नकारात्मक किरदार में देखेंगे। पिछले साल अभिनेत्री ने राकेश सैन के निर्देशन में बनी पहली फिल्म चकोर बन की शूटिंग शुरू की है। इसके बाद से फैंस फिल्म से जुड़े अपडेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, कीर्ति को फिल्म चकोर बन में मुख्य खलनायिका (या मुख्य प्रतिपक्षी) के लिए चुना गया है जो उनके लिए एक नया अनुभव होगा। फिल्म को बनाने के लिए राकेश बतौर सहायक और एसोसिएट निर्देशक बनकर, दिग्गज निर्देशक श्रीराम राघवन के साथ काम कर रहे हैं। पहले भी उन्होंने एक हसीना थी, एजेंट विनोद, बदलापुर, अंधाधुन और मेरी क्रिसमस जैसी कई फिल्मों में अपना पूरा सहयोग दिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, कीर्ति ने अपनी एक अन्य फिल्म किनारे की शूटिंग पूरी कर ली है। यह उनकी पहली फीचर फिल्म है जिसे उन्होंने अपनी प्रोडक्शन कंपनी किंटसुकुरोई फिल्म्स के बैनर तले निर्मित किया है। फिल्म का निर्देशन अकबर आजम कादरी ने किया है, जबकि कहानीकार भी वह खुद हैं। कास्ट में कीर्ति के अलावा, अभिनेता राजीव सिद्धार्थ, रवि तनेजा और अलका अमीन जैसे सितारे हैं। फिलहाल फिल्म पोस्ट-प्रोडक्शन चरण में है और इसी साल रिलीज हो सकती है।

बजट की दरकार, फायर लाइन पर शुरू नहीं हो पाया काम

कोटद्वार(आरएनएस)। वनाग्नि की घटनाओं से निपटने के लिए इस वर्ष दुगड्डा रेंज को अब तक बजट नहीं मिला है। हालांकि वन विभाग की टीमें अलर्ट मोड पर हैं और वन क्षेत्रों से सटे ग्रामीण इलाकों से जनसहयोग की अपील की जा रही है लेकिन बजट के अभाव में फायर लाइन का काम अब तक लंबित होने से स्थिति संवेदनशील बनी हुई है। वन प्रभाग की दुगड्डा रेंज का क्षेत्र कालागढ़ टाइगर रिजर्व प्रभाग लैंसडौन की प्लेन रेंज की सीमा से सटा है। कुछ हिस्सा कोटद्वार व कोटरी रेंज से लगा हुआ है। यहां पर्यटक आते रहते हैं। उनकी जरा सी लापरवाही से आग सिविल क्षेत्र से निकलकर आरक्षित वन क्षेत्र में फैलने से वन संपदा को काफी क्षति पहुंचती है। गत वर्ष धरियालसार ग्राम के नापखेत से लगी आग हवा के वेग के साथ आरक्षित वन क्षेत्र में पहुंच गई थी। वन विभाग की टीमें तीन दिन में आग पर काबू पा सकी थीं। आग पर काबू पाने के लिए पूर्व में बनाई गई फायर लाइनों के प्रतिवर्ष रखरखाव की आवश्यकता होती है। झवाणू वन खंड सीमा से बसाईंखान तक 20 किमी व आमसोती धार से बसाईंखान तक छह किमी लंबी एवं 100 फिट चौड़ी फायर लाइन है। फायर लाइन की झाड़ी कटान व नियंत्रित फुकान का कार्य प्रतिवर्ष पतझड़ के समय कराया जाता है। इस वर्ष पर्याप्त बजट नहीं मिलने से फायर लाइन का रखरखाव लंबित है। वन मोटर मार्ग, नेशनल हाईवे 534, स्टेट हाइवे 9 में सड़क के दोनों ओर की झाड़ी कटान का कार्य भी बजट के अभाव में अधूरा पड़ा है। मोड़ाखाल से ढिमकी वन मोटर मार्ग का रखरखाव भी अधूरा है।

100 मीटर दौड़ में यशिका वर्मा, आकांक्षा नेगी, प्रत्यक्षा रहीं प्रथम

कोटद्वार(आरएनएस)। कोटद्वार(आरएनएस)। मेरा युवा भारत, पौड़ी गढ़वाल, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से इंटर कॉलेज मोटाढाक में संगोष्ठी एवं दौड़ प्रतियोगिता आयोजित की गई। 100 मीटर दौड़ में यशिका वर्मा, आकांक्षा नेगी, प्रत्यक्षा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि बिजनेस वूमेन सीमा धन्नार ने किया। इस मौके पर 13 वर्ष की छात्राओं में हुई 100 मीटर दौड़ में यशिका, आशिका, आशा, 200 मीटर दौड़ में पिंकी, सोनाक्षी, यशिका, 400 मीटर दौड़ में सोनाक्षी, समीक्षा, दीप्ति ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। 18 वर्ष आयु वर्ग की छात्राओं की 100 मीटर की दौड़ में आकांक्षा, प्राची, विजय लक्ष्मी, 200 मीटर दौड़ में नव्या, अंकिता, प्राची, 400 मीटर दौड़ में नव्या, अंकिता, यशिका क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय रहीं। 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग की बालिकाओं एवं महिलाओं की 100 मीटर दौड़ में प्रत्यक्षा, विशाखा, हिमानी, 200 मीटर दौड़ में काजल, दीक्षा, प्रत्यक्षा, 400 मीटर दौड़ में पूजा, काजल, विशाखा ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पाया। बोरा रेस में भारती, सोनाक्षी, पिंकी क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहीं। निर्णायक की भूमिका सिद्धार्थ उनियाल एवं सतीश मौर्य ने निभाई। एथलेटिक कोच तालिप खान, खेल विभाग के हॉकी प्रशिक्षक राहुल यादव, तेजवेंद्र रावत, शारीरिक शिक्षक उमेश चंद्र व उनकी बेटी राष्ट्रीय स्तर की फुटबाल खिलाड़ी अर्पिता, फुटबाल कोच महेंद्र रावत मौजूद रहे। संचालन राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवी उजिता एवं खेलो इंडिया आर्चरी कोच हेमंत राठी ने संयुक्त रूप से किया।

सू- दोकू क्र.067

	9		1	6		2		7
3								
		6					9	
7			5		1		3	
	8			9		6		2
		4					7	
	3				2	9		6
6		7	3					4
	4			1		7	8	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.66का हल

2	6	3	9	8	7	1	5	4
8	5	1	3	2	4	6	7	9
9	4	7	1	5	6	8	2	3
3	9	8	6	7	1	5	4	2
6	1	2	5	4	3	9	8	7
5	7	4	8	9	2	3	1	6
1	2	6	7	3	5	4	9	8
4	8	5	2	6	9	7	3	1
7	3	9	4	1	8	2	6	5

गढ़वाल, आईआईएमटी मेरठ और गढ़वाल हीरोज ने जीते क्वार्टर फाइनल मुकाबले

नई टिहरी(आरएनएस)। टिहरी झील महोत्सव के तहत बौराड़ी स्टेडिएम में संचालित जनरल केएम करिअप्पा फुटबाल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल के मुकाबले में 14,7 गढ़वाल, आईआईएमटी मेरठ, और गढ़वाल हीरोज की टीम ने जीत दर्ज कर सेमीफाइनल मुकाबले में पहुंच गई। विजेता टीमों के बीच सोमवार को सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबला खेला जाएगा।

बौराड़ी स्टेडियम में जनरल केएम करिअप्पा फुटबाल टूर्नामेंट के तीसरे दिन चार टीमों के बीच क्वार्टर फाइनल मुकाबले खेले गए। पहले मुकाबले में 14 गढ़वाल ने कोटद्वार एफसी को 2-० से हराया। दूसरे मैच में आईआईएमटी मेरठ ने हरियाणा एफसी को 3-2 से पराजित किया। तीसरे मुकाबले में 7 गढ़वाल राइफल्स ने 13 गढ़वाल राइफल्स की टीम को 1-० से हराया। टूर्नामेंट के चौथा और अंतिम मुकाबले में गढ़वाल हीरोज की टीम ने 16 गढ़वाल राइफल्स को 1-० से पराजित किया।

टूर्नामेंट से जुड़े दर्शन गुसाईं ने बताया विजेता टीम को 1 5० लाख तथा उप विजेता टीम 75 हजार की धनराशि के चेक और ट्रॉफी प्रदान की जाएगी। जिला फुटबाल संघ टिहरी के सचिव देवेंद्र राणा ने बताया कि जिले के उभरते खिलाड़ी शशांक राणा और अतुल राणा को फुटबाल संघ की ओर से 1०-1० हजार रुपये के चेक भेंट किए गए। दोनों खिलाड़ियों ने कई बार राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर फुटबाल टीम का प्रतिनिधित्व किया। असम में संपन्न एआईएफएफ सब जूनियर नेशनल चैंपियनशिप में उन्होंने उत्तराखंड टीम के कोच का प्रतिनिधित्व किया। 2024 में केरल ब्लास्टर्स जीवी राजा अकादमी में कार्य करते हुए टीम को सुब्रतो कप चैंपियन दिलाई।

इस मौके पर भवानी दत्त बिजल्वाण, कमल सिंह महर, रविंद्र राणा, प्रो. पीडी सेमल्टी, डॉ. यूएस नेगी, डॉ. केसी पेटवाल, गोतम बिष्ट, गिरीश उनियाल, डॉ राकेश भूषण गोदियाल आदि मौजूद थे।

डे-केयर संस्था की बैठक में शहर की समस्याओं पर चर्चा

अल्मोड़ा(आरएनएस)। डे-केयर संस्था की वर्ष 2026 की पहली साप्ताहिक बैठक पं. गोविन्द बल्लभ पंत राजकीय संग्रहालय के सभागार में आयोजित हुई। बैठक में संस्था के लिए स्थायी रूप से बैठक स्थल उपलब्ध न होने पर चिंता व्यक्त की गई और जिला प्रशासन तथा नगर निगम से बैठक के लिए स्थान उपलब्ध कराने की मांग की गई। बैठक में डॉ. अरुण पंत ने डे-केयर संस्था के इतिहास और उसके कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि संस्था लंबे समय से सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों पर कार्य करती आ रही है, इसलिए प्रशासन को इसके लिए बैठक स्थल उपलब्ध कराना चाहिए। बैठक में नगर की विभिन्न समस्याओं पर भी विचार-विमर्श किया गया। सदस्यों ने कहा कि शहर में बंदरों का आतंक बढ़ता जा रहा है और इससे लोगों को काफी परेशानी हो रही है। उन्होंने नगर निगम और प्रशासन से मिलकर इस समस्या का समाधान करने की मांग की।

बैठक में आनंद सिंह बगड़वाल, डॉ. गोकुल सिंह रावत, गिरीश जोशी, चंद्रमणि भट्ट, पुष्पा कैड़ा, विपिन चंद्र जोशी, देवेंद्र अग्निहोत्री, मदन सिंह मेर, डॉ. जेसी दुर्गापाल आदि सहित अन्य वरिष्ठ नागरिकों ने अपने विचार रखे। बैठक की अध्यक्षता हेमचंद जोशी ने की, जबकि संचालन एमसी कांडपाल ने किया।

हिन्दुत्व और हिन्दू संस्कृति के संरक्षण का आह्वान किया

काशीपुर(आरएनएस)। विराट हिन्दू सम्मेलन में मुख्य अतिथि महामंडलेश्वर स्वामी दिनेशानंद भारती ने हिन्दुत्व और हिन्दू संस्कृति का संरक्षण करने का आह्वान किया। उन्होंने राष्ट्र के प्रति विचार व्यक्त किए गए। रविवार को रामनगर रोड स्थित श्रीराम लीला मैदान में शिवाजी बस्ती की ओर से आयोजित सम्मेलन का शुभारंभ मुख्य अतिथि दशनाम महादेव अखाड़ा रुड़की के महामंडलेश्वर स्वामी दिनेशानंद भारती व आरएसएस के सह प्रांत प्रचारक चंद्रशेखर ने शुभारंभ किया। इससे पूर्व महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली। सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत गायिका एवं कवयित्री शिवदासी प्राची तिवारी ने 'भारत का बच्चा बच्चा जय श्री राम बोलेगा के साथ सुंदर भजनों की प्रस्तुति दी। मुख्य वक्ता सह प्रांत प्रचारक चंद्रशेखर ने संघ के शताब्दी वर्ष पर सेवा, समर्पण, राष्ट्रवाद तथा हिन्दू एकजुटता पर केंद्रित अपना संबोधन किया। वहीं महिला वक्ता सरिता सक्सेना ने संघ के पंच परिवर्तन पर प्रकाश डाला। उधर, हिन्दू जागरण समिति के हेमपुर इस्माइल में आयोजित सम्मेलन का शुभारंभ मुख्य अतिथि मानव कल्याण आश्रम दशनाम जूना अखाड़ा के स्वामी हंसानंद सरस्वती ने किया।

जिला योजना में उद्यान विभाग ने की 55.44 प्रतिशत धनराशि खर्च

पिथौरागढ़(आरएनएस)। डीएम आशीष कुमार भटगांई ने जिला योजना, राज्य सेक्टर, केंद्र पुरोनियोजित व बाह्य सहायतित योजना की वित्तीय प्रगति को लेकर समीक्षा की। फरवरी माह तक उद्यान विभाग 55.44, पंचायती राज 71.45, अस्थाई खण्ड लोनिवि बेरीनाग 74 प्रतिशत की धनराशि खर्च की है। जिला सभागार में जिला योजना व बीस सूत्रीय कार्यक्रम की समीक्षा बैठक हुई। जिला योजना में लगभग 92.51 प्रतिशत वित्तीय प्रगति दर्ज की गई। राज्य योजना में प्रगति लगभग 81.35 प्रतिशत रही,केंद्र पुरोनियोजित योजनाओं में लगभग 87.3० प्रतिशत प्रगति मिली। बीस सूत्रीय कार्यक्रम में ए, बी, सी एवं डी श्रेणियों को लेकर समीक्षा हुई। गरीबी उन्मूलन, ग्रामीण आजीविका मिशन, कृषि, सिंचाई, स्वास्थ्य, आवास, खाद्य सुरक्षा, महिला व बाल विकास, पर्यावरण व वन, ग्रामीण सड़क, बिजली आपूर्ति सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। डीएम ने बी, सी व डी श्रेणी के विभागों की योजनाओं में शीघ्र प्रगति करते हुए ए श्रेणी में लाने के सख्त निर्देश दिए। कहा कि यदि आगामी माह में अपेक्षित प्रगति नहीं दिखाई देती है तो संबंधित विभागों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में सीडीओ डॉ.दीपक सैनी सहित अन्य आला अधिकारी मौजूद रहे।

महाप्रशिक्षण अभियान में बूथ प्रबंधन और सोशल मीडिया पर दिया प्रशिक्षण

अल्मोड़ा(आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल की ओर से आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय महाप्रशिक्षण अभियान के दूसरे दिन भी प्रशिक्षण वर्ग जारी रहा। दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को संगठन की कार्यपद्धति, सरकार की उपलब्धियों, बूथ प्रबंधन, सोशल मीडिया और आधुनिक तकनीक के प्रभावी उपयोग सहित विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। सरकार की उपलब्धियां विषय पर पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष और विधायक रघुनाथ सिंह चौहान ने केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में विकास की गति तेज हुई है और गरीब, किसान, महिला, युवा तथा समाज के हर वर्ग के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से इन योजनाओं और उपलब्धियों को घर-घर तक पहुंचाने का आह्वान किया। सोशल मीडिया, एआई, नमो एप और सरल एप विषय पर रवि रौतेला ने कार्यकर्ताओं को आधुनिक तकनीक के उपयोग के बारे में जानकारी दी। बूथ प्रबंधन विषय पर ललित लटवाल ने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर सक्रिय रहकर मतदाताओं से संपर्क बनाए रखने और संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत करने का आह्वान किया। समापन सत्र में नगर अध्यक्ष विनीत बिष्ट ने सभी वक्ताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रशिक्षण वर्ग से कार्यकर्ताओं को संगठन के विभिन्न विषयों पर महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई है, जिससे उन्हें भविष्य में संगठनात्मक कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से करने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम का संचालन अर्जुन बिष्ट और देवेंद्र भट्ट ने किया। प्रशिक्षण वर्ग में महेश नयाल, दर्शन रावत, धर्मेंद्र बिष्ट, संदीप श्रीवास्तव, प्रकाश भट्ट, कैलाश गुरुरानी, दिनेश मठपाल, मीरा मिश्रा, आनंद भोज, मनोज जोशी, सौरभ वर्मा, निशा बिष्ट, मनीष जोशी, गोविंद मटेला, श्याम पांडे, चंदन बहुगुणा, अभिषेक जोशी, सौरभ भट्ट, सुरेश चंद्र, अमित साह, संजय जोशी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सरकार का निर्णय: पूर्व उपनल कर्मियों को समान कार्य समान वेतन के लिए 289.98 करोड़ की व्यवस्था

संवाददाता

देहरादून। सरकार ने वर्ष 2026-27 के बजट में पूर्व उपनल कर्मियों को समान कार्य समान वेतन के लिए 289.98 करोड की व्यवस्था का निर्णय लिया।

उत्तराखंड सरकार ने वर्ष 2026-27 के बजट में पूर्व उपनल कर्मियों को समान कार्य के लिए समान वेतन उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बजट में इस मद के लिए 289 करोड़ 98 लाख 29 हजार रुपये की राशि का प्रावधान किया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार कर्मचारियों और श्रमिकों के हितों के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है। उन्होंने कहा कि पूर्व उपनल कर्मियों ने विभिन्न विभागों में लंबे समय तक महत्वपूर्ण सेवाएं दी हैं और उनके हितों की रक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है। इसी सोच के साथ राज्य सरकार ने समान कार्य के लिए समान वेतन की व्यवस्था को लागू करने हेतु बजट में पर्याप्त धनराशि सुनिश्चित की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह निर्णय सरकार की समावेशी और संवेदनशील शासन व्यवस्था का प्रतीक है। सरकार लगातार कर्मचारियों के कल्याण, प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और प्रदेश में पारदर्शी व उत्तरदायी शासन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस निर्णय से पूर्व उपनल कर्मियों को राहत मिलेगी और वे अधिक उत्साह के साथ राज्य के विकास में योगदान दे सकेंगे।

दिवंगत कर्मिक गिरवीर चंद रमोला को पुलिस परिवार ने दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

उत्तरकाशी। पुलिस दूरसंचार में नियुक्त संदेशवाहन गिरवीर चंद रमोला के आकस्मिक निधन पर पुलिस परिवान ने भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

आज यहां पुलिस दूरसंचार उत्तरकाशी में नियुक्त संदेशवाहक गिरवीर चंद रमोला(42 वर्ष) का कल 9 मार्च 2026 को आकस्मिक निधन हो गया था। उनके द्वारा कर्तव्य की वेदी पर अपना सर्वोच्च योगदान दिया गया। दिवंगत कर्मिक गिरवीर चंद रमोला मूल रुप से ग्राम मसोन, पो.ओ. गेंवला(बह्मखाल), तहसील डुंडा उत्तरकाशी के निवासी थे। वर्ष 2007 में वह पुलिस दूरसंचार में संदेशवाहक के पद पर नियुक्त हुये थे। स्व. गिरवीर चंद रमोला के असामयिक निधन पर उत्तरकाशी पुलिस परिवार द्वारा आज पुलिस लाईन उत्तरकाशी में 2 मिनट का मौन धारण कर ससम्मान श्रद्धांजलि दी गयी। इस दौरान पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी, श्रीमती कमलेश उपाध्याय, प्रतिसार निरीक्षक शिव कुमार, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली श्रीमती भावना कैंथोला, निरीक्षक अभिसूचना विकास नौटियाल, निरीक्षक दीपक नौटियाल, प्रभारी पुलिस दूरसंचार(उत्तरकाशी) श्रीमती नीलम भाकुनी सहित अन्य पुलिस अधिकारी/कर्मचारियों एवं परिवारजनों द्वारा श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गयी। एसपी उत्तरकाशी द्वारा दिवंगत कर्मी के परिवारजनों से मुलाकात कर धैर्य बंधाया गया तथा पुलिस विभाग की ओर से हरसम्भव सहायाता का भरोसा दिया गया। स्व. गिरवीर चंद रमोला ईमानदार, मिलनसार स्वभाव एवं ड्यूटी के प्रति समर्पित कर्मी थे, उनके असामयिक निधन से पुलिस परिवार को अपूर्णीय क्षति हुयी है, पूरा उत्तरकाशी पुलिस परिवार शोक संतप्त है।

विश्व हिन्दू परिषद व बजरंगदल ने नगर परिक्रमा में महंत देवेन्द्र दास से लिया आर्शीवाद

संवाददाता

देहरादून। विश्व हिन्दू परिषद व बजरंग दल ने श्री गुरू राम राय दरबार झण्डा मेला पर नगर परिक्रमा पर गददीनशीन महंत देवेन्द्र दास की आरती कर अंग वस्त्र पहनाकर आर्शीवाद प्राप्त किया।

आज यहां विश्व हिंदू परिषद बजरंग द्वारा श्री गुरु राम राय दरबार झंडा मेला पर नगर परिक्रमा पर गद्दीनशीन महंत देवेंद्र दास की आरती कर अंग वस्त्र पहनाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। संग आई संगत का किया गया सवा कुंतल फूलों से भव्य स्वागत। प्रात पूरे उत्साह के साथ आने वाली संगत जो की पलटन बाजार परिक्रमा के दौरान बजरंग दल प्रांत मिलन प्रमुख विकास वर्मा द्वारा सतनाम वाहेगुरु वाहेगुरु की धुन कराकर आने वाली संगत को बजरंग दल की ओर से शुभकामनाएं प्रेषित की गई और सवा कुंतल पुष्पों की वर्षा कर संगत को आभार प्रगट किया गया। देवभूमि उत्तराखंड की पवित्र गद्दी श्री गुरु राम राय दरबार पर हर वार्षिकोत्सव में पूरे उत्साह के साथ गुरु भक्ति के संकल्प लेकर आने वाली यह संगत गुरु भक्ति का एक अटूट अद्भुत उदाहरण है। स्वागत में हनुमान सेवा अध्यक्ष राजेश सोमवंशी, व्यवस्था प्रमुख राजवंशी, विहत प्रदेश पदाधिकारी नवीन गुप्ता, हर्ष सहगल, मोनू सलूजा, मनोज जुनेजा, मातृशक्ति प्रेम सेठी, अनीता चौहान, अनिल चौहान सुरक्षा प्रमुख सौरभ गौतम, लखन खन्ना, महेश कोतवाल, नीरज शर्मा व अन्य लोगों उपस्थित रहे।

पूर्व विधायक बलवीर सिंह नेगी के निधन को मुख्यमंत्री ने बताया अपूरणीय क्षति

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पूर्व विधायक स्वर्गीय बलवीर सिंह नेगी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके निधन को उत्तराखंड की राजनीति और सार्वजनिक जीवन के लिए अपूरणीय क्षति बताया।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विधानसभा में टिहरी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक स्वर्गीय बलवीर सिंह नेगी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके निधन को उत्तराखंड की राजनीति और सार्वजनिक जीवन के लिए अपूरणीय क्षति बताया। उन्होंने कहा कि बलवीर सिंह नेगी का पूरा जीवन जनसेवा, सादगी और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति समर्पित रहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि टिहरी गढ़वाल जनपद के ग्राम थाती में 8 दिसंबर 1947 को जन्मे बलवीर सिंह नेगी साधारण पृष्ठभूमि से निकलकर जनसेवा के क्षेत्र में एक विशिष्ट पहचान बनाने में सफल रहे। 1970 के दशक से

ही वे टिहरी क्षेत्र की राजनीति में सक्रिय रहे और जीवन के अंतिम समय तक क्षेत्रीय विकास तथा जनहित के मुद्दों के लिए निरंतर प्रयास करते रहे। उन्होंने बताया कि स्वर्गीय नेगी भिलंगना क्षेत्र से दो बार ब्लॉक प्रमुख रहे और स्थानीय विकास की मजबूत नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके साथ ही वे जिला पंचायत सदस्य भी रहे और ग्रामीण समस्याओं के समाधान के लिए लगातार सक्रिय रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बलवीर सिंह नेगी ने लखनऊ विश्वविद्यालय से बी.ए. और एल.एल.बी. की शिक्षा प्राप्त की थी। वे पहली बार वर्ष 1989 में जनता दल के टिकट पर टिहरी विधानसभा क्षेत्र से विधायक निर्वाचित हुए। इसके बाद वर्ष 2002 में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के टिकट पर घनसाली से तथा वर्ष 2007 में कांग्रेस के टिकट पर पुन: विधायक चुने गए। उन्होंने कहा कि अपनी संगठनात्मक क्षमता और जनसेवा के अनुभव के आधार पर उन्हें गढ़वाल मंडल विकास निगम के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य करने का अवसर मिला। इसके अलावा वे विधानसभा की विभिन्न समितियों में सदस्य रहते हुए सदन की गरिमा और जिम्मेदारियों का निर्वहन करते रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि 26 जनवरी 2026 को 78 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया। उन्होंने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक-संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

अंतर्राज्जीय वाहन चोर गैंग का खुलासा, दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। अंतर्राज्यीय वाहन चोर गैंग का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो शातिरों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से चुराये गये दस दुपहिया वाहन बरामद हुए है।

जानकारी के अनुसार बीती 5 मार्च को शुभम कुमार पुत्र जहारू सिंह निवासी इमलीखेड़ा थाना पिरान कलियर, हरिद्वार द्वारा कोतवाली ज्वालापुर में तहरीर देकर बताया गया था कि उनकी मोटरसाईकल को महाराजा फर्नीचर, ऊंचा पुल ज्वालापुर के पास से अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर लिया गया है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी गयी। चोरों की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा बीते रोज एक सूचना के आधार पर की जा रही चैकिंग के दौरान नहर पटरी रेगुलेटर पुल के पास से दो संदिग्ध

❑दस दुपहिया वाहन बरामद

व्यक्तियों को चोरी की मोटरसाइकिल के साथ हिरासत में लिया गया। पूछताछ में संदिग्धों द्वारा बताया गया कि उक्त मोटरसाइकिल उन्होंने महाराजा फर्नीचर ऊंचा पुल ज्वालापुर से चोरी की थी। इस पर पुलिस उन्हे कोतवाली ले आयी। जहां कड़ी पूछताछ के बाद पुलिस ने उनकी निशानदेही पर पुरानी कांवड़ पटरी के पास स्थित एक खंडहर से चोरी की 7 मोटरसाइकिलें व 2 स्कूटी बरामद कीं। आरोपियों ने बताया कि ये वाहन उन्होंने हरिद्वार व देहरादून के विभिन्न स्थानों से चोरी किए थे। दोनों आरोपी कम पढे लिखे है तथा आरोपी मोसिन पुत्र जान आलम राजमिस्त्री का काम करता है तथ गुल्सान पुत्र बलीन निवासी ग्राम गाडोवाली थाना पथरी ई रिक्शा का मेकेनिक है। पुलिस के अनुसार बरामद वाहनों में कई वाहन देहरादून के विभिन्न थानों में दर्ज चोरी के मामलों से संबंधित पाए गए हैं।

भवन श्री कालिका माता समिति के प्रधान बने भारत भूषण शर्मा

संवाददाता

देहरादून। भवन श्री कालिका माता समिति के दो वार्षिक चुनाव में भारत भूषण शर्मा को प्रधान नियुक्त किया गया।

आज यहां भवन श्री कालिका माता समिति के 2 वर्षीय चुनाव का कार्यक्रम। संपन्न हुआ। सर्वप्रथम आज दैनिक यज्ञ के साथ रुद्री यज्ञ भी किया गया तत्पश्चात प्रात: 10:00 बजे पुराने ट्रस्टी मंत्रिमंडल, मां कालिका बाल सेवा दल, एवं महिला मंडल का परिचय कराया गया तत्पश्चात। मंदिर के ट्रस्टी जय किशन कक्कर द्वारा परम पूज्य बैकुंठ वासी महाराज श्री जी का जीवन परिचय सुनाकर सबको भावविभोर कर दिया तत्पश्चात आय-व्यय का लेखा-जोखा मंदिर समिति के कार्यालय के। राजेश गोस्वामी द्वारा प्रस्तुत किया गया।. सर्वप्रथम एक कन्या को मां का रूप देकर उसका पूजन कर आसन पर विराजमान किया गया। तथा महाराज को ध्यान में रखते हुए सारे कार्य किए गए। 2026 2028 हेतु पुरुष मंत्रिमंडल के गठन हेतु उम्मीदवार सर्वप्रथम प्रधान पद पर भारत भूषण

शर्मा , मंत्री भारत आहूजा, उप प्रधान पद पर हरीश कक्कर, प्रचार मन्त्री प्रतीक मैनी, सहायक प्रचार मन्त्री महेश डोरा कोषाध्यक्ष पद पर गुलशन कक्कर, प्रबंध हरेंद्र आहूजा, अमित भाटिया, भण्डारपाल सतीश मेहता व अनिल गुलाटी, संगठन मंत्री जगमोहन अरोड़ा, महोत्सव निरीक्षक सत्य प्रकाश गुप्ता, महोत्सव निरीक्षक जितेंद्र अरोरा, परिवहन सेवा मंत्री अमित सूरी, लेखा निरीक्षक संदीप रस्तोगी, वह मां कालिका सेवा दल के प्रधान साहिल आहूजा, मंत्री शुभम मैनी, तरुण चंदन, प्रचार मंत्री अनूप चंदना, निरीक्षण अधि कारी मां काली का बाल सेवा दल मोहित बांगा मंदिर की, आईटी टीम व गोसेवा टीम में। सिद्धार्थ आनंद, सचिन वडेरा, हरीश विरमानी, नुकूल, आशीष शर्मा, रोशन राणा, अंत में मंदिर समिति के ट्रस्टी जयकिशन कक्कड, द्वारा महाराज श्री जी द्वारा दिशानिर्देश वचनों का अनुसरण कराया गया। इस अवसर पर गगन सेठी, जय किशन कक्कर, कुंवर राजेंदर वर्मा, भारत आहूजा, नरेश मैनी, उमेश मिनोचा, सतीश कक्कड़, संजय आनंद, अशोक लम्बा, केवल आनंद,, सतीश मेहता, राजीव तनेजा, महेश डोरा, आनंद मुनियाल, अनिरुद्ध गुप्ता, प्रदुमन मैनी, सुभम मैनी, कमल गुप्ता, संजीव शर्मा, भारत आहूजा उपस्थित रहे।

बाबा के जयकारों के साथ निकली नगर परिक्रमा, भक्तिमय हुआ पूरा शहर

संवाददाता

देहरादून। बाबा के जयकारों के साथ नगर की सडकों से नगर परिक्रमा निकाली गयी। इस दौरान पूरा शहर भक्तिमय हो गया।

आज यहां झण्डा दरबार साहिब से महंत देवेन्द्र दास के सानिध्य में नगर परिक्रमा निकाली गयी। नगर परिक्रमा झण्डा दरबार साहिब से प्रारम्भ होकर सहारनपुर चौक, कांवली रोड से होते हुए एसजीआरआर बिन्दाल पहुंची इस दौरान पुलिस प्रशासन ने नगर परिक्रमा के सहारनपुर चौक पहुंचने पर कांवली रोड से सहारनपुर चौक की तरफ कोई यातायात नहीं जाने दिया पटेलनगर मण्डी से आने वाले ट्रैफिक को कमला पैलेस की ओर भेजा गया साथ ही बल्लीवाला से आने वाले यातायात को बल्लूपुर/जीएमएस रोड व लक्ष्मण चौक की ओर से आने वाले यातायात को पार्क रोड की ओर भेजा गया। जिसके बाद बिन्दाल एसजीआरआर से महंत देवेन्द्र दास के द्वारा संगतों को आर्शीवाद देकर विदा किया। एसजीआरआर बिन्दाल ने नगर परिक्रमा के तिलक रोड पहुंचने पर बिन्दाल पुल से तिलक रोड कोई भी ट्रैफिक नहीं जाने दिया। बिन्दाल चौक से घटाघर तक सडक को पुलिस प्रशासन ने दो भागों में विभाजित कर नगर परिक्रमा के साथ-साथ यातायात का संचालन भी किया गया। इस दौरान संगतों के द्वारा सडक पर झाड़ू लगाकर पानी का छिंडकाव किया जा रहा था। नगर परिक्रमा के बिन्दाल से घण्टाघर के मध्य पहुंचने पर चकराता रोड से घण्टाघर आने वाले ट्रैफिक को बल्लूपुर चौक, बिन्दाल चौकी से कैण्ट को यातायात दबाव के दृष्टिगत आवश्यकतानुसार डायवर्ट किया गया। नगर परिक्रमा के घंटाघर पहुंचने पर दर्शनलाल चौक से घण्टाघर जाने वाले ट्रैफिक को लेन्सडाउन चौक और ओरियन्ट चौक से घंटाघर जाने वाले ट्रैफिक को कनक चौक की ओर भेजा गया। इस दौरान नगर परिक्रमा पर लोगों से फूलों की वर्षा कर उनका स्वागत किया और संगतों के लिए शीतल पेय की व्यवस्था की गयी थी। इस दौरान पुलिस प्रशासन ने सहारनपुर चौक से कोई भी ट्रैफिक कांवली रोड व झण्डा साहिब की ओर नहीं भेजा गया। नगर परिक्रमा का अगला हिस्सा सहारपुर चौक पहुंचने पर प्रिन्स चौक से आने वाले यातायात को गऊ घाट कट से भण्डारी बाग की ओर भेजा गया। नगर परिक्रमा पल्टन बाजार से आढत बाजार होते हुए मंहतों की समाधि पर पहुंची और वहां से झण्डा साहिब पहुंचकर समाप्त हो गयी।

धामी सरकार के चार साल में बने 819 पंचायत भवन

प्रदेश में सात हजार किमी से अधिक सड़कें हुईं गड्ढा मुक्त

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के दूसरे कार्यकाल के बीते चार साल में प्रदेश में 819 पंचायत भवनों का निर्माण पुनर्निर्माण किया गया है।

प्रदेश में पंचायत भवनों की संख्या 5867 है। इसमें से 1134 पंचायत भवन लंबे समय से जीर्णशीर्ण चल रहे थे। इसी क्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पंचायतीराज विभाग को अभियान चलाकर जीर्ण- शीर्ण भवनों का पुनर्निमाण करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद गत चार वर्ष में विभाग ने 819 पंचायत भवनों का निर्माण- पुनर्निर्माण कर लिया है। शेष भवनों पर भी कार्य किया जा रहा है। मंगलवार को विभागीय मंत्री सतपाल महाराज ने विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान यह जानकारी सदन के सामने रखी।

प्रदेश में लोकनिर्माण विभाग नवंबर के प्रथम सप्ताह तक सात हजार से अधिक किमी सडकों को गड्ढा मुक्त कर चुका है। सदन में विभाग की ओर से प्रस्तुत जानकारी के अनुसार प्रदेश की सड़कों को गड्ढा मुक्त करने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के सख्त निर्देशों के क्रम में विभाग ने वर्ष 2025-26 में मानसून काल से पूर्व 3134 किमी लंबी सड़कों को गड्ढा मुक्त किया। जबकि मानसून के बाद 10 नवंबर 2025 तक 4149.17 किमी लंबी सड़कों को गड्ढा मुक्त किया। इस दौरान अकेले हरिद्वार जनपद में 313 किमी से अधिक लंबी सड़कों को गड्ढामुक्त किया गया।

प्रदेश में विभिन्न तीर्थ स्थलों को रोपवे से जोड़ने की प्रक्रिया गतिमान है। पर्यटन मंत्री ने मंगलवार को विधानसभा में बताया कि विभाग ने कद्दूखाल से सुरकंडा देवी मंदिर के लिए पीपीपी मोड़ में रोपवे का संचालन शुरु कर दिया है। इसके अलावा जनपद चम्पावत में ठुलीगाड़ से पूर्णागिरी रोपवे भी पीपीपी मोड में निर्माणाधीन है। साथ ही जनपद उत्तरकाशी में जानकी चट्टी से यमुनोत्री मंदिर तक के लिए भी रोपवे पीपीपी मोड में विकसित किया जा रहा है। साथ ही साथ गौरीकुंड से केदारनाथ धाम, गोविंदघाट से हेमकुंड साहिब के लिए भी रोपवे निर्माण की प्रक्रिया गतिमान है।

गोवंश को क्रूरता पूर्वक परिवहन करनापडा भारी, एक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। गोवंश को क्रूरता पूर्वक छोटे हाथी से परिवहन करना एक व्यक्ति को भारी पड़ गया। पुलिस ने उसे सम्बन्धित धाराओं में गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार बीती रात थाना भगवानपुर पुलिस द्वारा क्षेत्र में चैकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान पुलिस को अलावलपुर के पास एक छोटा हाथी वाहन आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रोक कर चैक किया तो दिखायी दिया कि उसमें दो गौवंशीय पशुओं को क्रूरता पूर्वक परिवहन किया जा रहा है।इस पर पशु चिकित्सा अधिकारी को मौके पर बुलाकर गोवंश का मेडिकल कराया गया।

पूछताछ में चालक ने अपना नाम सलीम पुत्र मौ. इखलाक ग्राम गन्देवडा थाना फतेहपुर जिला सहारनपुर उ.प्र. बताया। पुलिस ने आरोपी सलीम को पशु क्रूरता अधिनियम की धाराओं में गिरफ्तार कर उसके खिलाफ अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

राज्य सरकार ने एक वर्ष में पांच करोड़ रुपये से ज्यादा का पिरूल खरीदा

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर सरकार ने वन विभाग के माध्यम से एक वर्ष के भीतर ग्रामीणों से पांच करोड़ 42 लाख रूपये का पिरूल खरीदा है।

प्रदेश में वनाग्नि को रोकने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर जिन गंभीर प्रयासों को शुरू किया गया है, उनसे सार्थक परिणामों की उम्मीदें बढ़ रही हैं। सरकार ने वन विभाग के माध्यम से एक वर्ष के भीतर ग्रामीणों से पांच करोड़ 42 लाख रूपये का पिरूल खरीदा है। चीड़ के जंगलों में आग लगने के मूल कारण को खत्म करने के लिए ग्रामीणों से वर्ष 2025 में 5532 टन पिरूल खरीदा गया है। इस लक्ष्य को

❑पहली बार मिला फायर वाचर्स को सुरक्षा कवच, दस लाख का सामूहिक बीमा

अब बढ़ाकर 8555 टन कर दिया गया है। सरकार की ये ही मंशा है कि पिरुल एकत्रित कर आग की आशंका को न्यूनतम स्तर पर पहुंचा दिया जाए। वनाग्नि को रोकने के लिए धामी सरकार के प्रयासों में जनजागरूकता पर भी फोकस किया जा रहा है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर 1239 जागरूकता कैंप लगाए गए हैं। सबसे अहम काम सरकार ने यह किया है कि ग्राम प्रधानों की अध्यक्षता में फॉरेस्ट फायर मैनेजमेंट कमेटी गठित की है, जो विभाग के साथ मिलकर जंगल बचाने में जुट रही हैं। इसके लिए संबंधित ग्राम पंचायत को 30 हजार रूपये प्रोत्साहन राशि भी दी जा रही है। बजट सत्र के दूसरे दिन प्रश्नकाल में वन मंत्री सुबोध उनियाल ने यह जानकारी साझा कीं। वनाग्नि के दौरान फायर वाचर्स महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनकी सुरक्षा के लिए धामी सरकार ने पहली बार बीमे का सुरक्षा कवच उपलब्ध कराया है। फायर वाचर्स का दस लाख का सामूहिक बीमा किया गया है। 5600 फायर वाचर्स ने पिछले वर्ष वनाग्नि रोकने में अपना योगदान दिया था।

'प्रश्नों' को जवाब का 'इंतजार'

उत्तराखंड विधानसभा का बजट सत्रः 600 से ज्यादा सवालों से गरमाएगा सदन, विपक्ष ने किया सड़क से सदन तक हंगामा

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा के बजट सत्र में विधायकों के प्रश्नों को जवाब का इंतजार रहेगा। विपक्ष के आक्रामक रूख से सरकार परेशान रहेगी। यह हम नहीं कह रहे है अभी तक के इतिहास में ऐसा ही होता आया है।

बता दें कि विधानसभा सत्र के पहले दिन राज्यपाल के अभिभाषण के साथ ही सीएम ने बजट पेश किया। सत्र के दूसरे दिन की कार्ययोजना के हिसाब से प्रश्नकाल होगा। इसके साथ ही सरकार आर्थिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट और कैग की सात रिपोर्ट सदन पटल पर रखने के साथ ही कुछ अध्यादेश भी सदन पटल पर रखे जाएंगे।

कार्ययोजना के अनुसार इस बार पक्ष-विपक्ष के विधायकों के 600 प्रश्न मिले हैं। अभी तक के इतिहास की बात करें तो सीएम के पास सबसे अधिक विभाग हैं और सीएम हमेशा प्रश्नों से बचते आये हैं। इससे विपक्ष को बोलने का मौका मिलता है और वह सरकार को चारों ओर से घेरने में कामयाब रहता है।

ज्ञात हो कि पहले दिन सड़क से सदन तक विपक्ष ने खूब हंगामा किया और आज भी विपक्ष चुप नहीं बैठने वाला है। पहले दिन सत्र शुरू होते ही विपक्ष ने सदन से वाकआउट कर सड़क पर भी प्रदर्शन किया। विपक्ष सदन की समययावधि बढ़ाने की मांग कर रहा है। विधानसभा के बजट सत्र में आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट, कैग रिपोर्ट सदन के पटल पर रखी जाएंगी। इसके साथ ही चार अध्यादेश भी सदन के पटल पर रखे जाएंगे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी उत्तराखंड दुकान और स्थापना (रोजगार विनियमन और सेवा शर्त) (संशोधन) अध्यादेश 2025, उत्तराखंड जन विश्वास ;उपबंधों का संशोधनद्ध अध्यादेश, 2025, उत्तराखंड माल और सेवा कर (संशोधन) अध्यादेश, 2025, उत्तराखंड समान नागरिक संहिता, उत्तराखंड (संशोधन) अध्यादेश, 2026 को सदन के पटल पर रखेंगे।

कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

विधानसभा सत्र शुरू होते ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर प्रदर्शन शुरू कर दिया। जंगलचट्टी बैरियर पर कांग्रेसियों ने हंगामा किया। कार्यकर्ताओं ने बैरियर पार करने कोशिश की। वही, भारी पुलिसबल तैनात किया गया है। दूसरी ओर हल्द्वानी के आईएसबीटी और अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम की खामियों को लेकर गैरसैण विधानसभा परिसर में हल्द्वानी विधायक सुमित हृदयेश व विभिन्न मुद्दों को लेकर कांग्रेसियों ने धरना दिया।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।